■ फाल्गुन शुक्ल - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 223 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 09-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

।।ॐ ह्रीँ श्रीँ अर्हम् श्री केसरिया आदिनाथाय नमः।।

।। श्री शीतलनाथाय नमः।। ।। श्री जीरावला पार्श्वनाथाय नमः।। ।। श्री चन्द्रप्रभस्वामिने नमः।।

दक्षिण भारत श्री बेंगलोर नगरे शंकरपुरम् मध्ये

श्री केसरिया आदिनाथजी प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथजी प्रतिष्ठा निमित्ते

नवाह्निका महोत्सव

नवाह्निका महोत्सव : फागण सुदि १० से चैत्र वदि ३

रविवार, दि. 09-03-2025 से सोमवार, दि. 17-03-2025

पावनकारी सानिध्य: सम्यग् ज्ञान पिपासु प.पू. आचार्यदेवश्री रत्नशेखरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न मरुधर रत्न आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा., श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंयम सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा ५

सकल श्री जैन संघ को भावभरा हार्दिक आमंत्रण

प्रथम दिवस: फागण सुदि १०, रविवार, दि. 09-03-2025

प्रातः 7.30 बजे - सकल संघ का नाश्ता (सत्य प्रमोद चौल्ट्री नेशनल कॉलेज ग्राउंड के सामने)

प्रातः 8.45 बजे - परम पूज्य गुरदेव, भगवान देव देवी भराने के लाभार्थी परिवार, दिक्षार्थी मुमुक्षु , सकल संघ के साथ बाजते गाजते नेशनल कॉलेज ग्राउंड प्रवेश वरघोडा प्रारंभ,

सुबह : 9.45 बजे - प्राचीन आदिनाथ भगवान, एवं सभी भगवान - देव देवी मंगल मूर्ति प्रतिमा प्रवेश एवं पूज्य गुरुदेव का मंगलमय प्रवेश,

सुबह : 10.25 बजे - पुनमिया भवन उद्घाटन, सुबह : 10.30 बजे - मंदिरजी से भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप, उद्‌घाटन, सुबह :11.45 बजे - अयोध्या नगरी उद्‌घाटन

द्वितीय दिवस: फागण सुदि ११, सोमवार, दि. 10-03-2025

सुबह 7-30 बजे : सुबह का नाश्ता, सुबह 8-30 बजे : पूजा - पूजन मंदिरजी में, सुबह 11-बजे : सुबह की नवकारसी

दोपहर 2-00 बजे : पूजा पूजन मंदिरजी में, सायं : 4.00 बजे - सायं नवकारसी, सायं : 6.00 बजे - नियोजित लाभार्थी परिवारों का अयोध्या नगरी में बहुमान,

सायं : 7.00 बजे - भव्य भक्ति संध्या

सुबह का नाश्ता के लाभार्थी

पूज्य पिताश्री स्व. श्री पारसमलजी एवं मातुश्री श्रीमती सरस्वतीबाई लूणिया के दिव्य आशीष से

सुपुत्र: हरकचंदजी, लक्ष्मीचंदजी, कुशलराजजी, कपुरचंदजी, राकेशकुमारजी,

पौत्र: महावीर, करण, मनीष, हितेश, नितेश, प्रितेश, ऋषभ, केतन, प्रणव, दिपेश, हेमंत,

पड़पौत्र: मेदांश, अरिष्ट, दिविज, दिवीत

पुत्री-जमाई: उषा - प्रवीणजी भंडारी, उषा(चन्द्रा) - महेन्द्रजी बोहरा,

पौत्री-जमाई: वृथी - भेरुजी मेहता एवं समस्त लूणिया परिवार, (मरुधर - बिलावास)

फर्म: निडल मार्केटिंग प्रा.लि, बेंगलोर

सुबह की नवकारसी के लाभार्थी

पूज्य मातुश्री श्रीमती सायरीबाई एवं पूज्य पिताश्री मिसरीमलजी प्रतापमलजी श्रीश्रीमाल के दिव्य आशीष से एवं भाई: स्व. श्री उत्तमचंदजी, स्व.श्री मानिकचंदजी, स्व. श्री भवरलालजी श्रीश्रीमाल की पुण्य स्मृति में

पुत्र-पुत्रवधु: शांतीलालजी - मंजुदेवी, पौत्र-पौत्रवधु: संजय - निमिषा

पौत्री-जमाई: अंजू- दर्शनजी कोठारी, आंचल - चिरागजी पावेछा

परपौत्री: तनाया जैन एवं समस्त श्रीश्रीमाल परिवार (मरुधर - मारवाड़ जंक्शन)

फर्म: शगुन, एस.एम. फिन्को, बेंगलोर

शाम की नवकारसी के लाभार्थी

स्व. मातुश्री वगताबाई पिरगल - स्व. पिताश्री वालचंदजी पिरगल दिव्य आशीष से

पुत्र-पुत्रवधु: स्व. श्री प्रकाशचंदजी - शांतिदेवी, त्रिलोकचंदजी - सज्जनीदेवी

पौत्र-पौत्रवधु: मंजू - विनोदजी, सीमा - अमीतजी, नीता - विपुलजी, वर्षा - राहुलजी,

परपौत्र-परपौत्री: नीव, सांची, नायरा, रिद्धवी पिरगल,

पुत्री-जमाई: स्नेहा - श्रीपालजी बागरेचा, दोहिता: आदित, रिधान बागरेचा

फर्म: शा वालचंद मांगीलाल एण्ड को, क्युरिओ कासा, बेंगलोर

श्री केसरिया आदिनाथ प्रतिष्ठा महोत्सव निमित्ते बेंगलोर के समस्त जैन मंदिरजी के पूजारी परिवारों का बहुमान कार्यक्रम दोपहर 1-00 बजे से स्थल: भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप, माराठा हॉस्टल, बेंगलोर

स्टेज प्रोग्राम-भक्ति भावना	भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप	मंदिरजी	भक्ति भावना
श्री अयोध्या नगरी, किम्स हॉस्पीटल के सामने, बेंगलोर	मराठा हॉस्टल, बुल टेंपल रोड़, चामराजपेट, बेंगलोर	श्री आदिनाथ मंदिर, रंगरॉव रोड़, शंकरपुरम, बेंगलोर	विक्की डी पारेख

सकल श्री जैन संघ के नम्र निवेदन है कि आप सपरिवार इस प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर जिनशासन की शोभा बढावे

निमंत्रक: श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम, बैंगलोर

'निवारक, उपचारात्मक, पुनर्वास स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार निवारक, उपचारात्मक और पुनर्वास संबंधी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नड्डा ने यहां भारत मंडपम में तीसरे 'इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन हेल्थ टेक्नोलॉजी असेसमेंट' (आईएसएचटीए 2025) का उद्घाटन करते हुए भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत बनाने और सभी के लिए सुलभ व सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता व प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्यों के अनुरूप एक कुशल, न्यायसंगत और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य प्रणाली बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को आगे बढ़ाने में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। नड्डा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो निवारक, उपचारात्मक और पुनर्वासात्मक है। उन्होंने बताया कि केंद्र ने प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा पर जोर दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब तक 22 अत्याधुनिक एम्स स्थापित किए जा चुके हैं और एमबीबीएस और एमडी सीटों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है, साथ ही पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण में भी वृद्धि हुई है।

सहज स्मृति योग

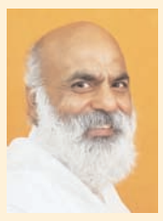

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप प्रारंभ से ही बुद्धि-शुद्धि को अध्यात्म में प्रवेश पाने के लिए अनिवार्य अर्हता कहते आए हैं। आपसे दो प्रश्न हैं। पहला, कि किसी भी काल के भक्त कवि को सुनें,पढ़ें वे सभी तो एक स्वर से यही कहते देखे-सुने जाते हैं कि 'मुझमें न तो बुद्धि है, न ज्ञान है, न विवेक है' तो क्या आपकी दृष्टि में सारे भक्त आध्यात्मिक ही नहीं हैं? और दूसरा, अपनी बुद्धि के शुद्ध होने की परीक्षा हम कैसे करें कि इसका प्रमाण स्वयं को स्वयं ही से मिल जाए कि बुद्धि शुद्ध हो गई है?

उत्तर : आप भक्त कवियों के द्वारा उनके अपने इष्ट के समक्ष आर्त-भाव में कातरता पूर्वक किए आत्मनिवेदन को सुन,पढ़,देख कर अपूर्ण निष्कर्ष निकाल रहे हैं। भक्त होने की अवस्था (उपाधि) मिलती ही तब है जब जीवात्मा में इष्ट की अनन्यता का भाव स्थाई हो जाए अर्थात् उसे सर्वत्र केवल (पूर्णत:)अपने इष्ट के ही दर्शन हों। अतः अगर यह कहा जाए कि केवल भक्त ही आध्यात्मिक हैं तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि, शिष्यत्व की प्राप्ति के पूर्व अनन्य भक्ति की अवस्था आती ही है। ज्ञान तो मध्य की अवस्था है कुछ-कुछ वैसे ही जैसे अधिकांश व्यक्तियों के लिए यह जीवन है, जिसे न जन्म के पूर्व का पता और न मृत्यु के उपरांत का बोध! केवल मध्य में ही यह स्वयं को जानता है। मुमुक्षु जीवात्मा की बुद्धि शुद्ध होने पर वह स्वयं (के/को) सनातन अस्तित्व का सनातन अंश होने का निर्णय और बोध प्राप्त कर लेती है और उसका यह अनुभव आजीवन अखंड बना रहे तो इसका प्रमाण स्वयं को स्वयं ही मिला हुआ रहता है कि बुद्धि शुद्ध हो गई है। विशुद्ध बुद्धि जीवात्मा को अपने से परे (पार) कर देती है और तब गुरुतर अनुभूति में प्रविष्ट होने से संसार में पुनरावृत्ति नहीं होती।

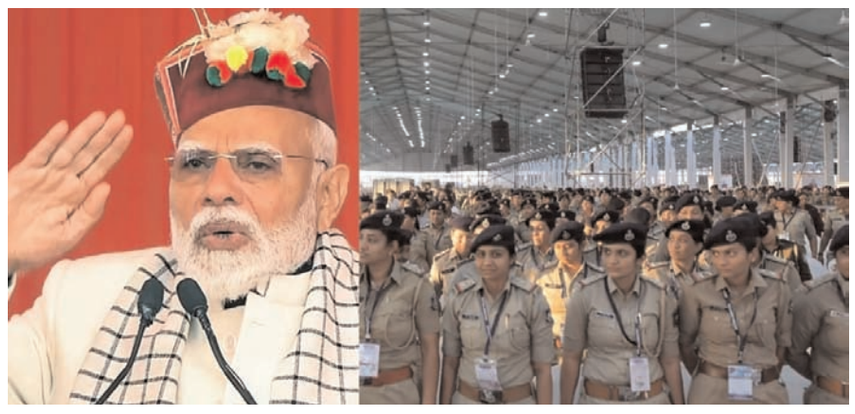

नवसारी में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली सुरक्षा की कमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवसारी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'लखपति दीदी' कार्यक्रम के लिए शनिवार को गुजरात के एक गांव में डेढ़ लाख से अधिक महिलाएं एकत्र हुईं। इस दौरान करीब 2,500 महिला पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली और सुनिश्चित किया कि यह विशाल कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हो। देश में इस तरह की पहली पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नवसारी जिले के वानसी बोरसी गांव में आयोजित कार्यक्रम स्थल की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था केवल महिला पुलिस अधिकारियों और कांस्टेबलों द्वारा प्रदान की गई।

अधिकारियों ने बताया कि उनके पुरुष साथियों को पार्किंग और यातायात प्रबंधन सेवाओं के लिए तैनात किया गया था। मोदी के हेलीपैड पर आगमन से लेकर कार्यक्रम के समापन तक हर कदम पर महिला पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर मोदी ने महिलाओं को संबोधित किया, 'लखपति दीदी' योजना के लाभार्थियों से बातचीत की और उन्हें लखपति दीदी प्रमाणपत्र प्रदान किए। महिला टीम के काम की निगरानी करने वाली अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक निपुण तोरवाने ने कहा कि 'लखपति दीदी' कार्यक्रम के लिए महिला पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था की है। उन्होंने कहा, ''चूंकि यह एक बहुत ही उच्चस्तरीय कार्यक्रम है, इसलिए इसकी सुरक्षा के लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं। कांस्टेबल से लेकर उच्च पदस्थ अधिकारी पिछले तीन दिन से सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी कर रहे हैं, अभ्यास कर रहे हैं और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बिंदुवार जानकारी दे रहे हैं।''

सही मार्गदर्शन, अनुकूल वातावरण सशक्त बनाने की कुंजी: महिला उद्यमी

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत की अग्रणी महिलाओं का मानना है कि उचित मार्गदर्शन और सलाह को प्राथमिकता देने वाला एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र उन्हें सशक्त बना सकता है। उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता का परिदृश्य अवसरों से भरपूर होने के बावजूद, विशेष रूप से महिलाओं के लिए कई तरह की बाधाएं लाता है। रुकम कैपिटल की संस्थापक और प्रबंध भागीदार अर्चना जहांगीरदार के अनुसार पूर्वाग्रह के अलावा मार्गदर्शन और संपर्क की कमी चलते महिलाओं को अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करने में बाधा का सामना करना पड़ता है। आईवीसीए की उपाध्यक्ष सुनीता प्रसाद ने कहा कि महिलाओं के आदर्श कम हैं, जिससे मार्गदर्शन और महत्वपूर्ण हो जाता है। उद्योग को भविष्य की महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक कदम उठाने की आवश्यकता है। पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में नेतृत्व और निर्णय लेने वाली भूमिकाओं में महिलाओं की मौजूदगी बाधाओं को तोड़ने में मदद करती है और प्रेरणा का व्यापक प्रभाव पैदा करती है।

तेलंगाना सुरंग हादसा: मंत्री ने अधिकारियों से बचाव अभियान में रोबोट की मदद लेने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नगरकुरनूल (तेलंगाना)/ भाषा। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को आंशिक रूप से ढही 'श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल' (एसएलबीसी) सुरंग के अंदर बचाव कार्य में रोबोट की मदद लेने के लिए तत्काल कदम उठाने का शनिवार को निर्देश दिया।

दरअसल क्षतिग्रस्त 'टनल बोरिंग मशीन' (टीबीएम) के टुकड़े बचाव कर्मियों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं जिसके कारण सिंचाई मंत्री ने ये निर्देश दिए। सुरंग का एक हिस्सा ढह जाने के बाद 22 फरवरी से आठ लोग इसमें फंसे हुए हैं। रेड्डी ने सुरंग स्थल का दौरा किया और जारी बचाव अभियान की विभिन्न संगठनों के अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि सरकार (हैदराबाद स्थित एक निजी कंपनी के) रोबोट विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग करके बचाव कार्य में चार करोड़ रुपए खर्च करेगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया है कि चूंकि विशाल टीबीएम के टुकड़े सुरंग के अंदर पानी, मिट्टी और पत्थरों में मिल गए हैं इसलिए वे बचाव दल के लिए खतरा बन गए हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दो मार्च को सुरंग का दौरा किया था। उन्होंने बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे अधिकारियों को सुझाव दिया था कि यदि आवश्यक हो तो सुरंग के अंदर रोबोट का उपयोग किया जाए ताकि बचाव कर्मियों को कोई खतरा नहीं हो। सिंचाई मंत्री ने सुरंग ढहने की घटना को राष्ट्रीय आपदा बताते हुए कहा कि सरकार बचाव अभियान जारी रखने के लिए कृतसंकल्प है, हालांकि सुरंग के अंदर ऑक्सीजन का निम्न स्तर, पानी का अधिक रिसाव तथा टीबीएम के बड़े हिस्से पानी एवं मिट्टी में मिल जाने जैसी स्थितियों के कारण बचाव अभियान में चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं।

चिंतन शिविर में स्कूली खेल, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों के कल्याण पर बनी आम सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में यहां आयोजित किए गए दो दिवसीय चिंतन शिविर के दूसरे और अंतिम दिन शनिवार को स्कूली खेलों को बढ़ावा देने, प्रतिभा की पहचान और अच्छे प्रशिक्षकों को तैयार करने पर आम सहमति बनी।

चिंतन शिविर में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों और अन्य प्रमुख हितधारकों के बीच इस बात को लेकर सहमति बनी कि भारत के 2036 ओलंपिक की मेजबानी के सपने को साकार करने और 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आपसी सहयोग जरूरी है।

मांडविया ने कहा कि चिंतन शिविर में चर्चाएं सम्मेलन कक्ष की चार दीवारों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि उन्हें 2047 तक प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभानी चाहिए। कान्हा शांति वनम में आयोजित किए गए चिंतन शिविर के पहले दिन केंद्र सरकार तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच खेल विकास और शासन पर चर्चा हुई।

मप्र सरकार लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने वालों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करेगी : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार नाबालिगों से दुष्कर्म की सजा की तरह लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने वालों के लिए भी मृत्युदंड का प्रावधान करेगी।

यादव ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मासूम बेटियों से दुष्कर्म करने वालों के खिलाफ सरकार बहुत सख्त है। इस संबंध में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, मध्यप्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम में धर्म परिवर्तन के लिए भी मृत्युदंड का प्रावधान किया जाएगा। यादव ने कहा कि राज्य अवैध धर्म परिवर्तन करने वालों को नहीं बख्शेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने संकल्प लिया है कि वह ऐसी कुप्रथाओं और गलत कामों से सख्ती से निपटेगी। बाद में, यादव ने कहा कि मप्र सरकार बेटियों की सुरक्षा व आत्मसम्मान के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के साथ दुष्कर्म करने वालों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान के बाद अब मध्यप्रदेश में बेटियों का धर्म परिवर्तन करने वालों के लिए भी मृत्युदंड का प्रावधान किया जाएगा।

भारत को अमेरिका के साथ सभी वार्ताओं से हट जाना चाहिए: जीटीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने शनिवार को कहा कि भारत को अमेरिका के साथ सभी वार्ताओं से हट जाना चाहिए और ट्रंप प्रशासन के साथ उसी तरह से बातचीत की तैयारी करनी चाहिए, जैसे चीन और कनाडा जैसे देश कर रहे हैं।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका भारत पर उन व्यापार मांगों को स्वीकार करने के लिए भारी दबाव डाल रहा है, जो मोटे तौर पर अमेरिकी हितों के अनुकूल हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके अधिकारियों ने ज्यादातर गलत आंकड़ों का इस्तेमाल करके भारत की आलोचना की है।

श्रीवास्तव ने कहा, ट्रंप गलत आंकड़ों का इस्तेमाल करके सार्वजनिक रूप से भारत का अपमान कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में कोई संतुलित परिणाम संभव नहीं है।

दिल्ली की महिलाएं अपने बैंक खातों में 2500 रुपए आने का कर रही हैं इंतजार: आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक चुनावी वादे का हवाला देते हुए विपक्ष की नेता आतिशी ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में महिलाएं अपने खातों में 2,500 रुपए आने का इंतजार कर रही हैं।

इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि दिल्ली मंत्रिमंडल ने महिला समृद्धि योजना के क्रियान्वयन के लिए 5,100 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दे दी है। आतिशी ने 'एक्स' पर एक वीडियो में कहा, ''चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ मार्च तक सभी महिलाओं को 2,500 रुपए देने का वादा किया था। यह अभी तक नहीं मिला है।'' दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के घोषणापत्र में महिला समृद्धि योजना प्रमुख चुनावी वादों में से एक थी। इस योजना के तहत राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया था। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामना देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली की महिलाएं आज इसका इंतजार कर रही होंगी। उन्होंने कहा,''दिल्ली की सभी महिलाएं आज अपने फोन पर टकटकी लगाए बैठी हैं और अपने बैंक खातों में पैसे जमा होने के संदेश का इंतजार कर रही हैं।''

बैंकिंग क्षेत्र को बदलते वैश्विक परिदृश्य में नवाचार, नेतृत्व जारी रखना चाहिए :वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि बैंकिंग क्षेत्र को बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच नवाचार और नेतृत्व करना जारी रखना चाहिए।

उन्होंने विश्वास जताया कि देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक अपने मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में प्रौद्योगिकी, स्थिरता और समावेशिता को अपनाएगा। एसबीआई के स्थापना दिवस के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह के शुभारंभ पर मंत्री ने कहा कि एसबीआई ने बदलते परिदृश्य को पूरा करने के लिए लगातार विकास किया है और नियामकीय सख्ती के बावजूद बाजार के नेता के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है। सीतारमण ने कहा, दुनिया तेजी से बदल रही है, और बैंकिंग क्षेत्र को नवाचार करना जारी रखना चाहिए और नेतृत्व भी करना चाहिए। मुझे विश्वास है कि एसबीआई प्रौद्योगिकी, स्थिरता और समावेशिता को अपने मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में अपनाकर इस अवसर पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एसबीआई ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप अपने व्यक्तिगत वितरण चैनलों को नए सिरे से तैयार कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक के रूप में, जो वैश्विक आबादी के लगभग 5.6 प्रतिशत को सेवाएं प्रदान करता है, एसबीआई पहले से कहीं अधिक चुस्त और प्रतिस्पर्धी बन गया है।

सीतारमण ने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई अब सतत वृद्धि के माध्यम से बेहतर मूल्य सृजन करने के लिए आदर्श स्थिति में है।

नकली एचपीसीएल तेल मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

वरिष्ठ निरीक्षक नागेश की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया

हैदराबाद/दक्षिण भारत। हैदराबाद पुलिस ने नकली एचपीसीएल तेल मामले में कार्रवाई की है। उसने छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि एचपीसीएल की अधिकृत टीम ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद डीएसपी सुधींद्र के आदेश पर छापेमारी की गई। अफजलगंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक नागेश की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। उसने नकली एचपीसीएल एन्क्लो तेल आदि जब्त कर लिया। वहीं, आरोपी जीएच संस पेट्रो प्रोडक्ट्स का वसीम खान (31) है, जिसे गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में पुलिस ने एफआईआर नं. 0070/2025 के तहत मामला दर्ज किया है। उक्त शख्स पर कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 63, और 318 (4) के तहत आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा के लिए काम करने वाले कांग्रेस नेताओं को छांटने की जरूरत : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी में उन कार्यकर्ताओं और नेताओं की पहचान करने की जरूरत है, जो भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे कार्यकर्ताओं और नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि पार्टी का पहला काम कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के दो समूहों को अलग करना है – पहला जो पार्टी की विचारधारा को अपने दिल में रखते हैं और जनता के साथ खड़े हैं और दूसरे जो जनता से कटे हुए हैं, ''जिनमें से आधे भाजपा के साथ हैं।'' गांधी का राज्य दौरा 2027 के विधानसभा चुनावों पर केंद्रित है, जिसके लिए उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई में बड़े बदलाव का संकेत दिया है और भाजपा को हराने के लिए एक मजबूत रणनीति का दावा किया है। उन्होंने कहा, ''गुजरात कांग्रेस में नेतृत्व और कार्यकर्ता स्तर पर दो तरह के लोग हैं। एक वो जो लोगों के प्रति ईमानदार हैं, वे उनके लिए लड़ते हैं, उनका सम्मान करते हैं और उनके दिल में कांग्रेस की विचारधारा है। और दूसरे वो हैं, जो लोगों से कटे हुए हैं, उनका सम्मान नहीं करते हैं और उनमें से आधे भाजपा के साथ हैं।'' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी का पहला काम इन दोनों समूहों का पता लगाना है, भले ही इसके लिए लोगों को हटाने की सख्त कार्रवाई करनी पड़े। उन्होंने कहा कि जब तक दोनों समूहों को अलग नहीं किया जाता, तब तक गुजरात के लोग पार्टी पर विश्वास नहीं करेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''हमारे जिला, ब्लॉक अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के दिलों में पार्टी के लिए जगह होनी चाहिए। उन्हें अपनी रगों में कांग्रेस को लेकर चलना चाहिए।

स्पाइसजेट के खिलाफ तीन विमान पट्टेदारों, पूर्व पायलट ने दीवाला याचिका दायर की

नई दिल्ली/भाषा। एयरलाइन स्पाइसजेट को नई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि आयरलैंड के तीन विमान पट्टेदारों और एक पूर्व पायलट ने उसके खिलाफ एनसीएलटी में दिवाला याचिका दायर की है, जिसमें चूक का दावा किया गया है।

तीन विमान पट्टा कंपनियों – एनजीएफ अल्फा, एनजीएफ जेनेसिस और एनजीएफ चार्ली ने आईबीसी की धारा 9 के तहत याचिका दायर की है, जिसमें स्पाइसजेट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है। याचिका में कुल 1.26 करोड़ डॉलर (लगभग 110 करोड़ रुपए) का बकाया होने का दावा किया गया है। स्पाइसजेट ने इसी सप्ताह राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की कार्यवाही के दौरान मामले को सुलझाने के लिए कुछ समय मांगा था, क्योंकि निपटान वार्ता चल रही थी। एनसीएलटी ने एक आदेश में कहा, परिचालन ऋणदाता (स्पाइसजेट) की ओर से वकील मौजूद हैं और मामले में भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा है। न्यायाधिकरण ने तीनों याचिकाओं को अगली सुनवाई के लिए सात अप्रैल, 2025 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। पट्टेदारों ने पहले स्पाइसजेट को पांच बोइंग 737 पट्टे पर दिए थे। उन्होंने स्पाइसजेट को कानूनी नोटिस भेजा था, जिसमें उन्होंने इंजन सहित विमान के कुछ हिस्सों की चोरी और उन्हें दूसरे विमानों में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा, पायलट द्वारा दायर याचिका के संबंध में, दो सदस्यीय एनसीएलटी पीठ ने पूछा कि क्या दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए के तहत पायलट के दावों पर रोक है। एनसीएलटी ने कहा, परिचालन ऋणदाता की ओर से वकील मौजूद हैं और उन्होंने विशेष रूप से कुछ दावा राशि के संबंध में धारा 10ए की प्रयोज्यता और सीमा के मुद्दे के संबंध में मुद्दे की जांच करने के लिए समय मांगा है।

▪ फाल्गुन शुक्ल - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 223 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 09-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं : बिरला

6 नायक प्रेम बहादुर गुरुंग: 'खुखरी' से रोका दुश्मन का वार, 3 पाकिस्तानियों का कर दिया संहार

7 महिलाओं को बार-बार खुद को साबित करना होगा : माधुरी दीक्षित

फर्स्ट टेक

तस्करी की कोशिश नाकाम, बांग्लादेशी की मौत

सिलीगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को बांग्लादेश के एक नागरिक को मार गिराया और इस मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार तड़के दार्जिलिंग जिले के खालपारा गांव के पास हुई। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि 15 से 20 बांग्लादेशी बदमाशों के एक समूह ने अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक प्रवेश कर लिया था। प्रवक्ता ने बताया कि इन लोगों की मवेशियों और प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के लिए भारतीय क्षेत्र के बदमाशों से साठगांठ है। उन्होंने बताया कि जब बीएसएफ के गश्ती दल ने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो सभी बदमाशों ने धारदार हथियार और लाठियों से हमला कर दिया, उन्होंने पथराव भी किया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति जेल से रिहा

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया में महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक येओल को शनिवार को जेल से रिहा कर दिया गया। इससे एक दिन पहले, देश की एक अदालत ने राष्ट्रपति येओल की गिरफ्तारी को रद्द करते हुए उन्हें जेल से रिहा करने का आदेश दिया था ताकि वह जेल से बाहर होकर मुकदमें का सामना करें । टीवी चैनल पर प्रसारित हो रही वीडियो में राष्ट्रपति जेल से बाहर आने के बाद अपने समर्थकों के सामने हाथ हिलाकर और अपना सिर झुकाकर उनका अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। येओल के समर्थक उनका नाम ले रहे हैं और दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका का राष्ट्रीय झंडा लहरा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' द्वारा अवैध को सही करने के साहस के निर्णय की सराहना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि वह अपने समर्थकों का धन्यवाद करते हैं तथा उन लोगों से आग्राह करते हैं कि वह अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें।

फ्रांस ने सेनेगल को सैन्य अड्डे सौंपना शुरू किया

डकार (सेनेगल)/एपी। फ्रांस ने शुक्रवार को दो सैन्य अड्डों का नियंत्रण सेनेगल को सौंप दिया और इसी के साथ उसने इस पश्चिम अफ्रीकी देश से अपनी सैन्य मौजूदगी को औपचारिक रूप से समाप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ की। सैन्य अड्डों का नियंत्रण सेनेगल को सौंपने का कदम तब उठाया गया जब सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दिओमाये फेय ने घोषणा की कि उनके देश में मौजूद सभी विदेशी सैनिक वापस जाएंगे।

सूर्यास्त 09-03-2025 6:29 बजे | सूर्योदय 10-03-2025 6:30 बजे

BSE	NSE
74,332.58	22,552.50
(-7.52)	(+7.80)

सोना	चांदी
8,997 रु.	98,863 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बजट राय

आ गया बजट सैंसेक्स गिरा,
कोई खुश तो कोई निराश।
सब आँक रहे निज चश्मे से,
कितना प्रोफिट कितना ह्रास।
दुश्मन किसान का कहे कोई,
व्यापारी कहते हम हताश।
पर बजट सभी के लिए बना,
सबका होगा इससे विकास।।

महिलाओं की सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए हमने सख्त नियम और कानून बनाए हैं।

नवसारी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने के लिए कानूनों में संशोधन किया है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानून (भारतीय दंड संहिता) का स्थान लेने वाली भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों को मजबूत किया है तथा इससे शिकायत दर्ज कराने में आसानी और न्याय प्रदान करने में तेजी आई है।

मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नवसारी जिले के वांसी बोरसी गांव में एक जनसभा में कहा कि भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''जब कोई लड़की देर से घर लौटती है, तो उसके माता-पिता सवाल पूछते हैं, लेकिन जब कोई लड़का देर से आता है, तो वे ऐसा नहीं करते...उन्हें ऐसा करना चाहिए। पिछले दशक में, हमने महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकने के लिए हमने सख्त नियम और कानून बनाए हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''मेरी सरकार ने बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने के लिए कानून में बदलाव किया।''

'मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं'

नवसारी/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी में कहा कि वह दुनिया के सबसे धनवान व्यक्ति हैं। मोदी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज यहां लखपति दीदियों को सम्मानित किया और जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में आप सब माताओं, बहनों और बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं। गुजरात की इस धरती से मैं सभी देश वासियों को, देश की सभी माताओं-बहनों को महिला दिवस की शुभकामनायें भी देता हूं। उन्होंने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। उन्होंने कहा, मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है।

मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सफल महिलाओं को सौंपे

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर देश की नारी शक्ति और उसकी प्रेरणादायी उपलब्धियों को प्रेरणादायी सम्मान देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कुछ ऐसी महिलाओं के हाथ में सौंपे जिन्होंने जीवन के विविध क्ष?त्रों में अपनी पहचान बनायी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर, सफल महिलाएं प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी कहानियां और गहन सोच साझा करेंगी। इन महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल मीडिया मंच एक्स पर महिला दिवस की विषय वस्तु पर केंद्रित अपने-अपने संदेश और विचार संप्रेषित किए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने हंपी बलात्कार कांड की निंदा की

■ कोप्पल जिले में एक विदेशी नागरिक समेत दो महिलाओं के साथ हुए 'बलात्कार' की घटना पर मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि उनकी सरकार राज्य में आने वाले पर्यटकों समेत सभी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कोप्पल जिले में एक विदेशी नागरिक समेत दो महिलाओं के साथ हुए 'बलात्कार'' की घटना की शनिवार को निंदा की और आश्वासन दिया कि उनकी सरकार राज्य में आने वाले पर्यटकों समेत सभी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जाएंगे।

उन्होंने 'एक्स' पर कोप्पल जिले के सनापुर में इजरायली नागरिक और 'होमस्टे' मालकिन पर हमले और बलात्कार को सबसे 'जघन्य कृत्य' करार दिया। सिद्दरामय्या ने कहा, जैसे ही इस घटना की सूचना मिली, मैंने संबंधित पुलिस से जानकारी प्राप्त की, गहन जांच की और उन्हें

अपराधियों की शीघ्र पहचान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस ने मामले के सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और जांच चल रही है। उन्होंने आश्वासन दिया, हमारी सरकार राज्य में आने वाले पर्यटकों समेत सभी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार रात हम्पी के पास 27 वर्षीय इजरायली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया और उन पर हमला किया गया। महिलाओं के साथ मौजूद तीन पुरुष पर्यटकों पर भी हमला किया गया और उन्हें नहर में धकेल दिया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई। पुलिस ने तीन आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है और तीसरे संदिग्ध को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

जावेद अख्तर ने रोज़ा विवाद पर क्रिकेटर शमी को समर्थन दिया, कहा- 'कट्टरपंथियों की परवाह न करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान रोज़ा न रखने को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे क्रिकेटर मोहम्मद शमी के समर्थन में मशहूर गीतकार जावेद अख्तर सामने आए हैं। उन्होंने शमी को कट्टरपंथियों की बातों पर ध्यान न देने की सलाह देते हुए टीम की जीत के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज शमी को मंगलवार को दुबई में खेले गए मैच के दौरान एनर्जी ड्रिंक पीते हुए देखा गया था। इस दृश्य के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने शमी की आलोचना करते हुए कहा था कि रमजान के पवित्र महीने में रोजा न रखकर उन्होंने 'गुनाह' किया है।

जावेद अख्तर ने इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए शमी को सभी नकारात्मक टिप्पणियों को नजरअंदाज़ करने और उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना की। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, शमी साहब, उन कट्टरपंथी मूर्खों की जरा भी परवाह मत कीजिए जिन्हें दुबई की झुलसाने वाली गर्मी में क्रिकेट के मैदान पर आपके पानी पीने से कोई समस्या है। यह उनका मामला नहीं है। आप उस महान भारतीय टीम का हिस्सा हैं जिस पर हम सभी को गर्व है। मेरी शुभकामनाएं आपके और पूरे टीम के साथ हैं।

भारत ने बधिर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला जीती

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शनिवार को यहां करनैल सिंह स्टेडियम में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराकर बधिर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला जीत ली। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) ने किया था जिसमें दक्षिण अफ्रीका भाग लेने वाली तीसरी टीम थी। भारत के कुलदीप सिंह ने फाइनल में पांच विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इसके अलावा उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। भारत के ही अभिषेक सिंह को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया। टूर्नामेंट के लिए भारतीय बधिर क्रिकेट टीम का नेतृत्व वीरेंद्र सिंह ने किया। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, ''इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की ऊर्जा से पता चलता है कि विश्व में बधिर खिलाड़ियों के बीच क्रिकेट को बढ़ावा देना कितना जरूरी है। इस त्रिकोणीय श्रृंखला के प्रति दिलचस्पी से बधिर क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है।''

अकबर हो या औरंगजेब, सबकी मानसिकता एक : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अकबर कभी नायक नहीं हो सकता। इन्होंने भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचे।

गौतमबुद्ध नगर (उप्र)/भाषा। मुगल शासक औरंगजेब को लेकर छिड़ी देशव्यापी बहस के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी।

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आसिम आजमी को मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली टिप्पणी के कारण बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा से 26 मार्च को समाप्त होने वाले बजट सत्र की शेष अवधि के लिये निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद औरंगजेब को लेकर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दादरी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे आदर्श और राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज हैं, ना कि अकबर या औरंगजेब।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अकबर कभी नायक नहीं हो सकता। इन्होंने भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचे। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की।

धनशोधन मामले में ईडी ने वाणिज्यिक विमान जब्त किया

हैदराबाद/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने हैदराबाद की एक कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत लगभग 14 करोड़ रुपए मूल्य का एक निजी विमान (जेट) जब्त किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इन प्रवर्तकों पर पोंजी 'घोटाला' करने और कई निवेशकों से कथित तौर पर करोड़ों रुपए ठगने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि धनशोधन का यह मामला फाल्कन ग्रुप (कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड), इसके मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमर दीप कुमार और कुछ अन्य के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी से सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, उक्त विमान का उपयोग करके कुमार देश से फरार हो गया था। आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए उनसे या उनकी कंपनी से तत्काल संपर्क नहीं किया जा सका। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ईडी के हैदराबाद कार्यालय के अधिकारियों को पता लगा कि आठ सीट वाले वाणिज्यिक विमान 'एन935एच हॉकर 800ए' हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यबल में महिलाओं की अधिक भागीदारी का आह्वान किया

■ हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना होगा, जहां कोई भी बच्चा, चाहे वह बेटा हो या बेटी, अकेले यात्रा करने या स्वतंत्र रूप से रहने में झिझक महसूस न करे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परामर्श को संबोधित करते हुए मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षा और रोजगार में समान अवसर प्रदान करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भी उसी गति से बढ़नी चाहिए।''

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि एक ''आत्मनिर्भर, स्वतंत्र और सशक्त महिला विकसित भारत के निर्माण की कुंजी है।''

सभी से आत्मनिर्भरता और सफलता की दिशा में हर कदम पर महिलाओं का समर्थन करने का आग्रह करते हुए मुर्मू ने कहा, ''विकसित भारत का सपना हमारी सामूहिक आकांक्षा है और हमें इसे प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'' भारतीय महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए मुर्मू ने कहा, ''हमारी बेटियां 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में बहुत बड़ा योगदान दे रही हैं। यह जरूरी है कि समाज उन्हें प्रगति के लिए और भी बेहतर माहौल प्रदान करे।'' उन्होंने कहा, ''हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना होगा, जहां कोई भी बच्चा, चाहे वह बेटा हो या बेटी, अकेले यात्रा करने या स्वतंत्र रूप से रहने में झिझक महसूस न करे।''

थोड़ा मेहनत कर सत्ता में लौट सकती है कांग्रेस : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/नई दिल्ली/एजेन्सी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन दशक के गुजरात मॉडल को पूरी तरह से विफल करार देते हुए कहा है कि राज्य की जनता भाजपा से ऊब चुकी है और अब वह विकल्प चाहती है और कांग्रेस उन्हें आसानी से यह विकल्प दे सकती है।

गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शनिवार को कहा कि गुजरात में विपक्ष को 40 प्रतिशत वोट मिलते हैं। अगर कांग्रेस अपने वोट शेयर में सिर्फ पांच प्रतिशत की वृद्धि कर ले, तो राज्य में कांग्रेस की सरकार बन सकती है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी तेलंगाना में 22 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाकर सरकार बना सकती है, तो वह गुजरात में भी पांच प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाकर सत्ता में वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा कि गुजरात की रीढ़ की हड्डी छोटे तथा मध्यम व्यवसायी, किसान और मजदूर हैं तथा राज्य आगे बढना चाहता है, लेकिन भाजपा सरकार की नीतियों के कारण बुरी तरह से प्रभावित है। गुजरात का विकास आज अटक गया है और उसे रास्ता नहीं दिख रहा है। हीरा उद्योग, वस्त्र उद्योग, सिरेमिक उद्योग से जुड़े लोग और प्रदेश के किसान कह रहे हैं कि उन्हें नया विजन चाहिए। पिछले 25 वर्षों से चल रही नीतियां पूरी तरह से विफल हो गई हैं। कांग्रेस पार्टी जनता को नया विजन दे सकती है, लेकिन इसके लिए पहले पार्टी के नेताओं को लोगों से जुड़ना होगा।

गांधी ने कहा कि गुजरात की राह से भाजपा को हटाना कांग्रेस के लिए बहुत कठिन नहीं है। गुजरात में पार्टी के नेताओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन सही नेतृत्व को सही स्थान पर लाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग भाजपा के साथ अंदरूनी तौर पर जुड़े हैं उन्हें पार्टी से निकालना पड़ा, तो निकाला जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर 11 साल में '11 बड़े झूठ बोलने' का आरोप लगाया

कलबुर्गी (कर्नाटक)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश से ''झूठ'' बोलने का आरोप लगाया और

कहा कि उन्होंने 11 साल के अपने कार्यकाल के दौरान 11 बड़े झूठ बोले हैं। जेवरगी में कल्याण पथ परियोजना की शुरुआत के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने मोदी पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। इस परियोजना का उद्देश्य कल्याण कर्नाटक के 38 ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में 1,166 किलोमीटर सड़क बनाना है।

जयपुर में आईफा अवार्ड्स का आयोजन प्रदेश के लिए गर्व की बात : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे गौरवशाली राज्य की राजधानी जयपुर में इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवार्ड (आईफा) का सिल्वर जुबली का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आईफा केवल एक अवॉर्ड समारोह नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा और संस्कृति के वैश्विक विस्तार का प्रतीक है, जिससे राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय फिल्म और मनोरंजन उद्योग में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित आईफा अवार्ड्स का आयोजन राजस्थान में पहली बार हो रहा है।

शर्मा शनिवार को नोवोटल कन्वेंशन सेंटर में आईफा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक मनोरंजन और सांस्कृतिक उद्योग का केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। आईफा का यह आयोजन उसी विजन का एक सशक्त प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि आईफा का आयोजन राजस्थान को एक वैश्विक फिल्म शूटिंग स्थल, डेस्टिनेशन वेडिंग और लाइव इवेंट्स के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में भी स्थापित करेगा। साथ ही, राजस्थान में कॉनसर्ट टूरिज्म के नए आयाम भी खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सदियों से अपनी भव्यता, शाही विरासत और राजसी आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध रहा है। हर साल हजारों विवाह यहां के भव्य महलों, किलों, हवेलियों और होटलों में होते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेलेब्रिटी भी राजस्थान को अपनी ड्रीम वेडिंग के लिए चुन रहे हैं। देश की 75 प्रतिशत हेरिटेज प्रॉपर्टी यहां है, जो इसे डेस्टिनेशन वेडिंग का सबसे आकर्षक स्थल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में विवाह एवं ऐसे अन्य भव्य आयोजनों से होटल, पर्यटन, स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग को लाभ हुआ है।

शर्मा ने कहा कि पिछले एक वर्ष में राजस्थान में 61 वेब सीरीज, डॉक्यूमेंट्री, विज्ञापन फिल्म, फीचर फिल्म, टीवी शो, टीवी सीरियल और म्यूजिकल वीडियो की शूटिंग हुई है। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, पाली, जैसलमेर और शेखावाटी जैसे क्षेत्र निर्माता-निर्देशकों की विशेष पसंद बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की अनुपम संभावनाएं फिल्म निर्माण के लिए इसे आदर्श गंतव्य बनाती हैं। यहां की सुनहरी रेत, विशाल किले, शांत झीलें, वन्य जीव अभयारण्य, अरावली के पहाड़, चम्बल का किनारा और जीवंत ग्रामीण जीवन फिल्मकारों के अपने सपनों को साकार करने के लिए एक कैनवास प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बिना बॉलीवुड की कल्पना नहीं की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सड़क, रेल, और हवाई मार्ग से देश और दुनिया से बेहतरीन तरीके से जुड़ा हुआ है। जयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, जैसलमेर, उदयपुर और बीकानेर जैसे शहर भी हवाई मार्ग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री के राजस्थान पर विशेष स्नेह के कारण यहां से देश के हर कोने के लिए ट्रेनें उपलब्ध हैं। राजस्थान का समृद्ध सड़क तंत्र राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करता है।

शर्मा ने कहा कि बॉलीवुड के कलाकार राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर हैं। वे जब राजस्थान की धरती पर आते हैं तब धरती धोरां री और पधारो म्हारे देश की संस्कृति को दुनियाभर में लेकर जाते हैं। यहां की सड़कें न केवल शहरों को जोड़ती हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों तक फिल्म निर्माण की राह आसान बनाती हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण को सरल बनाने के लिए राजस्थान सरकार की सिंगल विंडो सुविधा एक वरदान है। यहां ऑनलाइन परमिशन सिस्टम के जरिए सभी क्लीयरेंस 15 दिनों के भीतर जारी हो जाते हैं। वन्य जीवन पर आधारित फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बनाने वालों के लिए राजस्थान एक स्वर्ग है। जवाई और झालाना में लेपर्ड की मौजूदगी, रणथंभौर और सरिस्का जैसे प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व जैव-विविधता को दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री ने फिल्मजगत के अतिथियों से अनुरोध करते हुए कहा कि राजस्थान में फिल्म बनाना केवल एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक अनुभव है जहाँ प्रकृति, इतिहास और संस्कृति आपके हर दृश्य को अमर कर देती है। राजस्थान की धरती आपको बुला रही है। उन्होंने आइफा के सफल आयोजन के लिए राजस्थान की 8 करोड़ जनता की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान की मेहमान नवाजी सभी को पसंद आती है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदेश का पहला ग्रीन बजट इस वर्ष पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश और हरियाणा के साथ जल समझौते किए गए हैं। प्रधानमंत्री की पहल पर संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान में राजस्थान पौधारोपण में अग्रणी राज्य रहा। उन्होंने कहा कि आईफा अवार्ड आयोजन से प्रदेश में और अधिक फिल्मों की शूटिंग होंगी साथ ही, पर्यटन का बढ़ावा मिलेगा। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा स्थित रीको परिसर में आईफा गार्डन का उद्घाटन किया तथा पौधारोपण भी किया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, आईफा अवार्ड आयोजन समिति के सब्बास जोसेफ, विराफ सरकारी एवं आंद्रे टीमिन्स सहित फिल्म जगत के कलाकार उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर राजस्थान रॉयल्स ने लांच की 'पिंक प्रॉमिस' जर्सी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक मई को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए 'पिंक प्रॉमिस' जर्सी लांच की। राजस्थान रॉयल्स फाउंडेशन (आरआरएफ) ने महिलाओं के नेतृत्व वाली पहल को बढ़ावा देने के लिए 'औरत है तो भारत है' नामक अभियान फिल्म लॉन्च की। राजस्थान रॉयल्स की टीम राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व वाले ग्रामीण परिवर्तन के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के लिए खरीदे गए प्रत्येक टिकट के लिए 100 रुपये का योगदान भी करेंगे। इसके अलावा इस विशेष 'ऑल-पिंक रॉयल्स जर्सी' की बिक्री से होने वाली राशि सीधे आरआरएफ को इसके सामाजिक प्रभाव पहल का समर्थन करने के लिए जाएगी। किसी भी टीम द्वारा मैच में हर छक्के के लिए राजस्थान रॉयल्स और आरआरएफ सांभर क्षेत्र में छह घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कहा, 'पिंक प्रॉमिस' के जरिये हम केवल लोगों पर ही नहीं बल्कि उनके परिवारों और समुदायों पर एक स्थायी प्रभाव पैदा करने का प्रयास करते हैं। पिछले साल हमने खुद देखा कि कैसे इस पहल ने जीवन को बदल दिया।

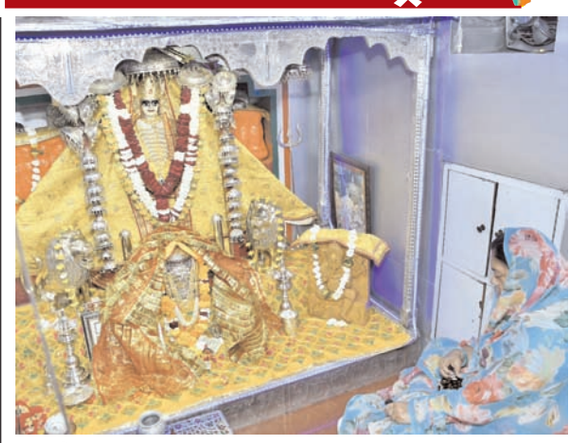

पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने अपना जन्मदिन बीएसएफ के जवानों के साथ मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने अपना जन्मदिन बीएसएफ के जवानों के साथ मनाया

जैसलमेर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को अपना जन्मदिन भारत-पाकिस्तान की सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ मनाया। राजे ने तनोट मंदिर में माता की पूजा की और सैनिकों की रक्षा और देश की सुरक्षा के लिए शत्रु विनाशक यज्ञ करवाया। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली की कामना भी की। इस अवसर पर उनके साथ जैसलमेर से विधायक छोटू सिंह भाटी और पोकरण से विधायक प्रताप पुरी महाराज भी मौजूद थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मातेश्वरी तनोट राय के आशीर्वाद से कमल खिलता रहे, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का जनाधार बढ़ता रहे और मेरी मां राजमाता ने जो विचारधारा की ज्योति जलाई थी, वह तेजी से बढ़ती रहे। राजे बिना किसी पूर्व सूचना के तनोट पहुंचीं, लेकिन जब भाजपा के कार्यकर्ताओं को उनके आगमन की जानकारी मिली तो वे बड़ी संख्या में उन्हें बधाई देने वहां पहुंच गए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना ने तनोट माता के मंदिर पर हमला करने का असफल प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि दोनों बार पाकिस्तान की हार हुई। वहीं, शनिवार को पूरे प्रदेश में राजे का जन्मदिन मनाया गया। सभी जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने गायों को चारा खिलाया, रोगियों को फल बांटे, सुंदरकांड का पाठ किया और महिलाओं को सम्मानित किया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी वसुंधरा राजे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

भारत को विकसित बनाने में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि महिलाएं राजनीति, कला, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित हर मोर्चे पर अपने उत्कृष्ट काम से देश और प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने मातृशक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि अंतिम पंक्ति पर खड़ी जरूरतमंद महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के लिए मिलकर प्रयास करें और देश-प्रदेश को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। शर्मा ने कहा कि महिलाएं त्याग, करुणा, स्नेह, धैर्य, सहनशीलता, संवेदनशीलता, सौम्यता, विनम्रता, वीरता, सहानुभूति जैसे अनेक गुणों की प्रतिमूर्ति होती हैं, यह दिन मातृशक्ति के योगदान को सम्मान देने का अवसर तथा हर क्षेत्र में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे के लिए उसकी मां ही उसकी प्रथम गुरु होती है तथा व्यक्ति को सुशिक्षित एवं सभ्य बनाने में नारी का बहुत बड़ा योगदान होता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर दिए जा रहे एक लाख रुपये के बचत बॉन्ड की राशि को बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसलों से देश में महिलाएं सशक्त तथा आत्मनिर्भर बन रही हैं। शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सरकार महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत तीन लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। साथ ही, मातृ वंदना योजना से करीब पांच लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

इस कार्यक्रम में मौजूद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि समाज में महिलाओं के लिए अवसरों में समानता निरंतर बढ़ रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में महिलाओं की स्टार्ट-अप, व्यवसाय, कला, पर्यटन, खेल, मीडिया सहित सभी क्षेत्रों में भागीदारी में वृद्धि हुई है, इस आधी आबादी में निर्णय लेने की गजब क्षमता होती है जिससे परिवार, देश, समाज आगे बढ़ता है।

विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सहमति और असहमति को लोकतंत्र की ताकत बताते हुए शनिवार को कहा कि विधानसभाओं और संसद में नियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए उचित नहीं है। बिरला ने यहां 'कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान' के शुरुआती कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन विधानसभाओं और संसद में सुनियोजित गतिरोध लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं, जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विधायी संस्थानों को चर्चा और संवाद का केंद्र बनना होगा। बिरला ने कहा कि भारत का संविधान केवल कानूनों का संकलन नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक है। पिछले 75 वर्षों में संविधान के मार्गदर्शन में हमने कई परिवर्तन देखे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में सार्थक संवाद और स्वस्थ बहस होनी चाहिए, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और जानबूझकर पैदा किए गए गतिरोध लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि यह संविधान क्लब पक्ष-विपक्ष के बीच सार्थक विमर्श और सहमति का मंच बनेगा। बिरला ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, विचारशीलता और नीति-निर्माण को दिशा देने वाला मंच है। लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं होता, बल्कि सतत संवाद और सहमति से आगे बढ़ता है। यह क्लब नीति-निर्माण और सुशासन को नयी ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान विधानसभा हमेशा मार्गदर्शक रही है, यहां पारित कई विधेयक पूरे देश के लिए उदाहरण बने हैं। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत और वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान की भूमि ने लोकतांत्रिक परंपराओं को सदैव समृद्ध किया है।

बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में तापमान बढ़ने लगा है जहां बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक तापमान सीमावर्ती बाड़मेर में 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस दौरान राज्य में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा।

मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम तापमान संगरिया में 08.1 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य के अधिकांश भागों में आगामी सप्ताह के दौरान मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा।

प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ- 5 लाख से अधिक प्रकरणों का आपसी समझाइश से होगा निस्तारण

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह ने शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ परिसर में वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझाइश द्वारा लंबित प्रकरणों के निस्तारण की मूल भावना को साकार किया जाता है। जिससे पक्षकारों के समय की बचत के साथ-साथ उनके मध्य वैमनस्य का भाव भी समाप्त होता है।

न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित प्रकरणों सहित प्री-लिटिगेशन स्तर तक के समस्त प्रकरणों का आपसी समझाइश से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की सुनवाई ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से की जाएगी।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरि ओम अत्रि ने बताया कि जन सामान्य के द्वारा अपने प्रकरणों को राजीनामे के माध्यम से निपटाने हेतु प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाए जाएंगे। इन प्रकरणों की सुनवाई हेतु अधीनस्थ न्यायालयों की कुल 468 बैंचों का गठन किया गया। अत्रि ने बताया कि 24 फरवरी तक इन बैंचों में 3 लाख 39 हजार 344 प्री-लिटिगेशन तथा न्यायालयों में लम्बित 2 लाख 8 हजार 605 प्रकरणों सहित कुल 5 लाख 47 हजार 949 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

बागड़े ने क्षेत्रीय विकास एवं सामुदायिक उत्थान की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फलौदी। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाएं बहुत ही महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। बागड़े ने शनिवार को फलौदी कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं और कार्यक्रमों की अद्यतन प्रगति तथा प्राप्त उपलब्धियों पर विस्तार से समीक्षा करते हुए कहा कि लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाएं बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने भौगोलिक परिस्थितियों एवं संसाधनों की कमी से प्रभावित क्षेत्र में सामाजिक आर्थिक स्तर में सुधार के लिए योजना एवं कार्यक्रम, स्थानीय नागरिकों के पलायन को रोके जाने के लिए किए जा रहे प्रयास तथा हिन्दू विस्थापितों की स्थिति एवं सुरक्षा पर्यवेक्षण सहित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की और सम सामयिक हालातों पर जानकारी ली। राज्यपाल ने इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वामित्व योजना ग्रामीण, वृक्षारोपण सहित केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

कल्याण कर्नाटक में विकास कार्य कर हम चुकाएंगे लोगों का कर्ज : उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जेवरगी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के लोगों ने हमें विधानसभा और लोकसभा चुनावों में ताकत दी है और हम इस क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देकर आपका कर्ज चुकाने जा रहे हैं। शिवकुमार शनिवार को जेवरगी में कल्याण कर्नाटक के 38 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 1150 किलोमीटर सड़कों के विकास के लिए कल्याण पथ परियोजना के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य कई लोगों ने देश को आजादी दिलाई। लेकिन यह मल्लिकार्जुन खरगे ही थे जिन्होंने इस कल्याणकारी कर्नाटक क्षेत्र के लोगों को वित्तीय आजादी दिलाई। खरगे और धर्मसिंह ने सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह को इस क्षेत्र के विकास के लिए अनुच्छेद 371जे लागू करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा, जब लाल कृष्ण आडवाणी ने कहा था कि इस क्षेत्र को विशेष दर्जा नहीं दिया जा सकता, तो मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे संभव बनाकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी, जिसने इस कल्याणकारी कर्नाटक को विकसित करने का संकल्प लिया है, इस क्षेत्र के विकास के लिए हर साल राज्य के बजट में 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान दे रही है। हमने शुक्रवार को पेश बजट में भी यह अतिरिक्त राशि प्रदान की है। इस प्रकार, इस भाग के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को विकास के लिए अतिरिक्त 120 करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के निर्वाचन क्षेत्रों को हमारे निर्वाचन क्षेत्रों की तुलना में अधिक धन मिल रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे के संघर्ष के कारण इस क्षेत्र को विशेष दर्जा प्राप्त हुआ है। शिक्षा और नौकरी में आरक्षण प्रदान करके आपके बच्चों का भविष्य संवारा गया है। पिछले चुनाव में कल्याण कर्नाटक की जनता ने कांग्रेस पार्टी का समर्थन कर खरगे का आत्मविश्वास बढ़ाया था। उन्होंने कहा, मैं इसके लिए आपको नमन करता हूं। सच्चा नायक वह नहीं है जो युद्ध जीतता है, बल्कि वह है जो लोगों का दिल जीतता है। मल्लिकार्जुन खरगे वह व्यक्ति हैं जिन्होंने आप सभी का दिल जीत लिया है। मनुष्य का जन्म आकस्मिक है, मृत्यु अवश्यंभावी है, जन्म निःशुल्क है, मृत्यु निश्चित है। महत्वपूर्ण यह है कि हम इस जन्म और मृत्यु के बीच क्या हासिल करते हैं। आपने इस क्षेत्र में ईएसआई अस्पताल देखा है। जब आप बेंगलूरु के विधान सौधा को देखते हैं तो आपको केंगल हनुमंतैया की याद आती है। यहां के ईएसआई अस्पताल को देखकर मल्लिकार्जुन खरगे की याद आती है। अब किदवई अस्पताल इस क्षेत्र में आ गया है। आपके निर्वाचन क्षेत्रों में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों और विद्यालयों की संख्या बढ़ी है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के विकास के लिए एक बोर्ड की स्थापना की जा रही है और उसे सक्रिय किया जा रहा है। उन्होंने बताया, आज शुरू की गई 1,100 करोड़ रुपये की कल्याण पथ परियोजना से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों के लिए 25-30 करोड़ रुपये उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के हमारे विधायक और मंत्री आपके विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सरकार ने 200 करोड़ रुपये की लागत से एक अस्पताल और केपीएस स्कूल स्थापित करने, 100 करोड़ रुपये की लागत से बेल्लारी में एक मेगा डेयरी स्थापित करने तथा 5267 शिक्षक पदों को भरने का निर्णय लिया है। हमारी सरकार 65 करोड़ रुपये की लागत से गोदामों की स्थापना, 24 नए प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना और लगभग सात तालुकों में नए प्रसूति अस्पताल शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है। आपने हमें ताकत दी और सत्ता में लाए। उन्होंने वादा किया, हम आपका कर्ज चुकाएंगे और आपका सम्मान बनाए रखेंगे।

कर्नाटक का बजट देश के लिए मॉडल, 'ब्रांड बेंगलूरु' को मिलेगा बढ़ावा : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को राज्य के बजट को देश के लिए एक मॉडल बताते हुए कहा कि इसमें बेंगलूरु की यातायात समस्याओं के समाधान के लिए कई परियोजनाओं का प्रावधान किया गया है। बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने कहा कि शहर में 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ी जा रही हैं।

शिवकुमार ने कहा, यह बजट देश के लिए एक आदर्श है। अन्य राज्य भी इस पर ध्यान देंगे। यह ब्रांड बेंगलूरु के लिए एक अच्छा बजट है। बजट शहर की 1.40 करोड़ आबादी के हित में है। इसमें एक सुरंग सड़क परियोजना भी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यातायात की समस्याओं को दूर करने के लिए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इसके अलावा, डबल-डेकर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे और नगर निगम और 'बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (बीएमआरसीएल) से 50-50 प्रतिशत योगदान के साथ नई मेट्रो परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, सुरंग सड़कों सहित हम 700-800 किलोमीटर नई सड़कें जोड़ रहे हैं। हम ऋण ले सकते हैं, लेकिन हम लोगों को राहत देना चाहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं ने संचालित की मालगुड़ी एक्सप्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने मैसूरु के लिए एक महिला चालक दल वाली ट्रेन का संचालन किया। ट्रेन नंबर 20624, केएसआर बेंगलूरु-मैसूरु मालगुडी एक्सप्रेस का संचालन एक महिला चालक दल के साथ किया। मालगुडी एक्सप्रेस के सभी महिला चालक दल में लोकोपायलट सुश्री सिरीशा गजनी, सहायक लोको पायलट सुश्री सुकन्या एस, ट्रेन प्रबंधक सुश्री प्रियदर्शिनी, यात्रा टिकट परीक्षक सुश्री सोना वी.जे. और आरपीएफ एस्कॉर्टिंग स्टाफ में सुश्री सौम्या और सुश्री अक्षथी चंद्रन शामिल थीं।

डिवीजनल रेलवे मैनेजर अमितेश कुमार सिन्हा ने केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'एक महिला चालक दल द्वारा ट्रेन का संचालन हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। रेलवे क्षेत्र में महिलाएं ट्रैक रखरखाव, इंजीनियरिंग आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं।' इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक-आशुतोष माथुर, परीक्षित मोहनपुरिया सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, बेंगलूरु डिवीजन ने महिला कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें महिलाओं से संबंधित विषयों पर पिक एंड स्पीक प्रतियोगिता, ब्राइडल लुक, मेहंदी और नेल आर्ट, फायरलेस कुकिंग और मजेदार खेल शामिल थे। बेंगलूरु डिवीजन के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का समापन समारोह 13 मार्च को आयोजित किया जाएगा। भारतीय रेलवे में महिलाएँ ट्रैक महिला, ट्रेन मैनेजर, लोको पायलट, कोच मेंटेनर, तकनीशियन, लोको मेंटेनेंस स्टाफ़ और कई अन्य चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में काम करती हैं, और समर्पण और दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करती हैं। भारतीय रेलवे को अपनी प्रतिबद्ध और सक्षम महिला कार्यबल पर गर्व है।

महिला शक्ति

बेंगलूरु में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 'ओरियन वेमपॉवर रेड शक्ति अवार्ड्स 2025' का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने 'सभ्या' की संस्थापक स्मिता राकेश और 'ब्रिगेड ग्रुप' की संयुक्त प्रबंध निदेशक निरूपा शंकर की उपस्थिति में किया। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु की 35 उल्लेखनीय महिला उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर '11 साल में 11 बड़े झूठ बोलने' का आरोप लगाया

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश से ''झूठ'' बोलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने ने 11 साल के अपने कार्यकाल के दौरान 11 बड़े झूठ बोले हैं। जेवरगी में कल्याण पथ परियोजना की शुरुआत के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने मोदी पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। इस परियोजना का उद्देश्य कल्याण कर्नाटक के 38 ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में 1,166 किलोमीटर सड़क बनाना है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अनुरूप तैयार की गई इस परियोजना पर 1,000 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''ग्यारह साल में मोदी ने छोटे नहीं, 11 बड़े झूठ बोले हैं। पहला झूठ विदेश से काला धन लाना और लोगों के बैंक खातों में 15-15 लाख रुपये डालना है। दूसरा झूठ हर साल दो करोड़ नौकरियां पैदा करना है। लेकिन मुझे अब भी नहीं पता कि हमारे युवा उनका समर्थन क्यों करते हैं? क्या वे जाति, धर्म या आचरण के आधार पर ऐसा करते हैं, मुझे समझ में नहीं आता।'' सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि लोग कांग्रेस पार्टी के नेताओं का समर्थन क्यों नहीं करते, जिसके नेताओं ने अपना जीवन गरीबों की सेवा में समर्पित कर दिया, अपने प्राणों की आहुति दे दी और देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी।

खरगे ने आरोप लगाया, तीसरा झूठ, पेट्रोल और डीजल की कीमतों को कम करने का वादा, जो वास्तव में 40-50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं; चौथा, 2022 तक गंगा की सफाई का दावा; पांचवां, 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विनिर्माण क्षेत्र में लाखों नौकरियां पैदा करना; छठा, 2022 तक सभी भारतीयों के लिए पक्के मकान उपलब्ध कराना; और सातवां, किसानों की आय दोगुनी करना।''

उन्होंने कहा, किसी को झूठ नहीं बोलना चाहिए, अगर आप झूठ बोलेंगे तो लोग आप पर भरोसा नहीं करेंगे। राज्यसभा के पिछले चुनाव समेत 12 चुनावों में मैंने कभी झूठे वादे नहीं किए, मैंने हमेशा कहा है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा और अपने प्रदर्शन से अच्छे नतीजे हासिल करने की कोशिश करूंगा... वह (मोदी) झूठ बोलते हैं, उनकी बात मत सुनिए, अगर आप सुनेंगे तो आपको नुकसान होगा। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और राज्य सरकार के कई मंत्री मौजूद थे।

इजराइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। हम्पी के पास सनापुर झील के किनारे बृहस्पतिवार रात 27 वर्षीय इजराइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया और उनसे मारपीट भी की गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, महिलाओं के साथ मौजूद तीन पुरुष पर्यटकों पर भी हमला किया गया और उन्हें एक नहर में धकेल दिया गया, जिनमें से एक पर्यटक की मौत हो गई।

कोप्पल के पुलिस अधीक्षक राम एल अरासिद्दी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, तीनों आरोपियों में से हमने दो को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में तीसरे संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मल्लेश और चेतन साई के रूप में हुई है। दोनों लगभग 21 साल के हैं और गंगावती शहर के साई नगर के रहने वाले हैं तथा राजमिस्त्री का काम करते हैं। पुलिस ने कहा कि यह घटना बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे उस समय हुई जब रात्रि भोजन के बाद होमस्टे संचालक 29 वर्षीय एक महिला, इजराइली नागरिक और तीनों पुरुष पर्यटक सनापुर झील के पास तुंगभद्र नहर के किनारे बैठकर गिटार बजाते हुए संगीत का लुत्फ उठा रहे थे। इसने बताया कि पुरुष पर्यटकों में से एक अमेरिका से था, जबकि अन्य ओडिशा और महाराष्ट्र के निवासी थे।

पुलिस के अनुसार, अपनी शिकायत में होमस्टे संचालक ने आरोप लगाया कि जब वे संगीत सुन रहे थे, इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन लोग उनके पास आए और पूछा कि उन्हें पेट्रोल कहां मिलेगा। जब उसने उन्हें बताया कि आसपास कोई पेट्रोल पंप नहीं है, तो आरोपियों ने 100 रुपये मांगे। शिकायतकर्ता ने प्राथमिकी में कहा, ''मैं उन्हें नहीं जानती थी, इसलिए मैंने उनसे कहा कि मेरे पास रुपये नहीं हैं। जब पुरुषों ने बार-बार जोर दिया, तो ओडिशा के पुरुष पर्यटकों में से एक ने उन्हें 20 रुपये दिए।'

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब महिला ने और पर्यटकों ने उन्हें रुपये देने से इनकार कर दिया, तो कन्नड़ और तेलुगु बोलने वाले आरोपियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। अधिकारी ने कहा कि इसके बाद उन्होंने तीनों पुरुष पर्यटकों को नहर में धक्का दे दिया और महिला तथा इजराइल की पर्यटक के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

मुख्यमंत्री बने रहेंगे सिद्दरामय्या और अगला बजट पेश करेंगे : मंत्री राजन्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच राज्य सरकार में सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने शनिवार को कहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या अपने पद पर बने रहेंगे और अगले वर्ष भी राज्य का बजट पेश करेंगे। सिद्दरामय्या के पास वित्त विभाग भी है। राजन्ना ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में अंतिम निर्णय कांग्रेस आलाकमान पर निर्भर है। सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को अपना रिकॉर्ड 16वां बजट पेश किया।

सिद्दरामय्या के करीबी माने जाने वाले राजन्ना ने कहा, वह (सिद्दरामय्या) अगला बजट (2026-27) और उसके बाद का बजट (2027-28) पेश करेंगे।

इसमें कोई संदेह नहीं है। अगर कोई संदेह या बदलाव है, तो वह आलाकमान के फैसले के अनुसार होगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम सभी ने उम्मीद जताई है कि उन्हें (सिद्दरामय्या) मुख्यमंत्री के रूप में बने रहना चाहिए, लेकिन आखिरकार फैसला आलाकमान करेगा।

कर्नाटक के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर, इस वर्ष के अंत में 'बारी-बारी से मुख्यमंत्री' या' सत्ता-साझीदारी' फॉर्मूले के तहत नेतृत्व परिवर्तन के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की राज्य का नेतृत्व करने की महत्वाकांक्षा जगजाहिर है। शिवकुमार से जब कलबुर्गी में पत्रकारों ने पूछा कि अगला बजट कौन पेश करेगा, तो उन्होंने बस इतना ही जवाब दिया, 'सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री हैं।' कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग शिवकुमार को जल्द ही मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने की वकालत कर रहा है, जबकि सिद्दरामय्या के कई करीबी मंत्री और नेता नेतृत्व परिवर्तन की किसी भी संभावना को लगातार खारिज करते आ रहे हैं। सिद्दरामय्या के करीबी नेताओं का कहना है कि मौजूदा मुख्यमंत्री अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

खरगे ने सिद्दरामय्या और शिवकुमार से कर्नाटक के विकास के लिए एकजुट रहने का आग्रह किया

कलबुर्गी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर जारी सत्ता संघर्ष के बीच पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से एकजुट होकर काम करने और राज्य के विकास को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि वे अलग-अलग रहेंगे और अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ेंगे तो यह ''कठिनाई (भरा)'' होगा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता यहां जेवरगी में कल्याण पथ परियोजना को हरी झंडी दिखाने के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने शुक्रवार को रिकॉर्ड 16वां बजट पेश करने के लिए सिद्दरामय्या की सराहना करते हुए इसे ''अच्छा बजट'' बताया और इस बात पर जोर दिया कि पार्टी अच्छे काम करने वाले व्यक्तियों का लगातार समर्थन और प्रोत्साहन करती है। खरगे ने शिवकुमार की ऊर्जा मंत्री, सिंचाई मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके कार्य की भी प्रशंसा की। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी, सरकार और लोगों की सेवा के लिए शिवकुमार के समर्पण को रेखांकित किया।

नहीं रहे प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. एमआर दोरेस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रख्यात शिक्षाविद एवं पूर्व एमएलसी डॉ. एमआर दोरेस्वामी (88) का गुरुवार को निधन हो गया। वे पीईएस एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक भी थे। आयु संबंधी दिक्कतों का सामना कर रहे डॉ. दोरेस्वामी ने बेंगलूरु के बनशंकरी स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पीईएस विश्वविद्यालय ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, 'हम अत्यंत दुःख के साथ अपने प्रिय संस्थापक डॉ. एमआर दोरेस्वामी के निधन की घोषणा करते हैं। एक दूरदर्शी नेता और प्रेरक शिक्षक, डॉ. दोरेस्वामी ने अपना जीवन शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और समाज की बेहतरी में उत्कृष्टता की खोज के लिए समर्पित कर दिया।'

उसने कहा, 'डॉ. दोरेस्वामी की यात्रा साल 1972 में पीईएस की स्थापना के साथ शुरू हुई, जो तब से कई परिसरों में 20,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को शिक्षित करने तक विकसित हो चुकी है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता तथा दृढ़ता, उत्कृष्टता और सेवा के मूल्यों में उनके विश्वास ने अनगिनत लोगों के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है।'

संस्थान ने बताया, 'डॉ. दोरेस्वामी का योगदान शिक्षा जगत से परे भी था। वे एक मार्गदर्शक प्रकाश थे, जिन्होंने उन सभी में सहानुभूति, ईमानदारी और जिम्मेदारी की भावना पैदा की, जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य मिला। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को महानता के लिए प्रयास करने और समाज को कुछ वापस देने के लिए प्रेरित करती रहेगी।' उसने कहा, 'हम एक महान नेता के निधन पर शोक व्यक्त रहे हैं, साथ ही उनके उल्लेखनीय जीवन और उनके द्वारा छोड़े गए स्थायी प्रभाव का भी अनुसरण कर रहे हैं।

इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार के साथ हैं। विनम्र श्रद्धांजलि डॉ. एमआर दोरेस्वामी। आपकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी।' बता दें कि डॉ. दोरेस्वामी के परिवार में पत्नी राधा मनोहरी, पुत्र प्रो. डी जवाहर, पुत्रवधू सुमन जवाहर, पुत्री डॉ. डी रूपा और दामाद डॉ. सुरेश कृष्ण हैं।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा और विधायक कृष्णप्पा समेत कई गणमान्य लोगों ने डॉ. दोरेस्वामी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कई मंत्रियों, विधायकों और विभिन्न क्षेत्रों के चर्चित लोगों ने संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

डॉ. दोरेस्वामी का जन्म 7 नवंबर, 1937 को आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के नरवूर गांव में हुआ था। बाद में वे बेंगलूरु के बनशंकरी में रहने लगे थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार (वर्ष 2008-2014) ने उन्हें कर्नाटक विधान परिषद के लिए नामित किया था।

बन्नरघट्टा प्राणी उद्यान में 'हिमा' बाघिन ने दिए चार शावकों को जन्म

बेंगलूरु। बन्नरघट्टा प्राणी उद्यान ने शनिवार को घोषणा की कि हिमा नामक छह वर्षीय एक बाघिन ने 14 फरवरी को चार शावकों को जन्म दिया। उसने कहा कि यह उसका दूसरा प्रसव है। उद्यान के अधिकारियों के अनुसार हिमा ने जून 2024 में अपने पहले बच्चे को जन्म दिया था। उन्होंने कहा कि यह बाघिन और उसके शावक दोनों स्वस्थ हैं तथा उनकी हालत अच्छी है। उन्होंने यह भी बताया कि आठ वर्षीय बाघिन अरुण्या ने पहली बार 16 फरवरी को दो शावकों को जन्म दिया।

प्राणी उद्यान ने एक बयान में कहा, इन शावकों का जन्म सफेद बाघ 'वीर' से हुआ है, जिसे प्राणी विनिमय कार्यक्रम के तहत चेन्नई के अरिग्नार अन्ना प्राणी उद्यान से लाया गया था।

महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर शनिवार को बेंगलूरु के जनता दल पार्टी के प्रदेश कार्यालय जेपी भवन में आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए जनता दल एस के प्रमुख एवं पूर्व प्रधानमंत्री सांसद एचडी देवेगौड़ा। उन्होंने कहा कि हमने राज्य में कमजोर लोगों के लिए सामाजिक न्याय और आरक्षण की सुविधा लाई। लेकिन आज कांग्रेस को इसका फल मिल रहा है। इस मौके पर पार्टी नेताओं के साथ अनिता कुमारस्वामी, निखिल कुमारस्वामी आदि उपस्थित थे।

सुविचार

उड़ने में बुराई नहीं है, आप भी उड़ें..लेकिन उतना ही जहाँ से जमीन साफ़ दिखाई देती हो।

ट्वीट

आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है।

-नरेन्द्र मोदी

त्याग एवं बलिदान की साक्षात प्रतिमूर्ति मां पन्ना धाय जी की जन्म जयंती पर उन्हें नमन। मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपने पुत्र के प्राण न्योछावर करने वाली मां पन्ना धाय जी की देशभक्ति की यह गाथा सदा अमर रहेगी।

-वसुंधरा राजे

कहानी

खुशी के रंग

होली के त्योहार के दिन दोपहर के वक़्त बहती मंद फाल्गुनी बयार में नेहा अपने फ्लैट की बालकनी में बैठी उनकी सोसाइटी के बीच में बने पार्क में लोगों को उमंग, उल्लास और मस्ती के साथ विभिन्न रंगों से होली खेलते हुए देख रही थी। मन-प्रणय मिलन और सुखद प्रेम की अनुभूति के इन्द्रधनुषी रंगों के इस त्योहार से परे नेहा को रंगों की दुनिया से विशेष लगाव नहीं था। गुजरते वक़्त के साथ अपनी बेरंग होती ज़िंदगी में उसे इनकी सार्थकता धीरे-धीरे खत्म होती महसूस होने लगी थी। उसे लगने लगा था कि वक़्त के साथ बढ़ती उम्र में उसकी जिंदगी के कोरे कैनवास पर रंग भरने वाला शायद ऊपर वाले ने बनाया ही नहीं था। अपनी ज़िंदगी की किताब के रंगहीन पन्नों को पलटते हुए वह अतीत की यादों में खो गई।

शिक्षित और सम्पन्न परिवार की तीन बहनों में नेहा सबसे बड़ी थी। तीनों बहनों की उम्र में ज्यादा अंतर नहीं था। नेहा एक मल्टीनेशनल कंपनी में लम्बे समय से मैनेजर के पद पर कार्य कर रही थी। वक़्त के साथ नेहा के माता-पिता ने अपनी बच्चियों के

घर बसाने के लिए अच्छे परिवार और योग्य वर की तलाश शुरु कर दी। नेहा का तीनों में बड़ी होने के कारण पहले उसी के लिए योग्य वर की तलाश शुरु की गई। लेकिन बीतते समय के साथ नेहा के लिए ढंग के रिश्ते की बात कहीं बन नहीं पा रही थी। ज्यादातर मामलों में लड़के वालों ने नेहा की छोटी बहनों से विवाह में रुचि दिखाई तो नेहा को सारी बात समझ में आ गई।

भौतिक युग में यथार्थ और मानवीय संवेदना को नहीं समझने वाले बहुत लोग समाज में मौजूद थे। जिनके लिए अपने घर में बहू के रुप में लड़की की सुंदरता का पैमाना उसका गोर वर्ण का होना था। नेहा सांवले रंग की थी। जबकि उसकी दोनों बहनें गोरे रंग की थीं। नेहा के लिए उसका सांवला रंग ही उसकी रंगहीन जिंदगी का सबब बनता जा रहा था। उसके विवाह का कोई ढंग का रिश्ता नहीं होता देख उसकी सहमति से माता-पिता ने छोटी बहनों का रिश्ता तय कर उनका विवाह कर दिया। दोनों बहनें अपने घर में खुश थीं। लेकिन माता-पिता को नेहा का भी जल्दी ही घर बस जाए इस बात की चिंता खाए जाती थी। वे भले ही इस बात का इज़हार नहीं करते थे लेकिन यह सच भी था।

नेहा ऑफिस से आने के बाद अपना ज्यादा समय अपने कमरे में एकांत में बिताती थी। घर में सभी की ज़िंदगी में एक ठहराव सा आ गया था। हंसमुख स्वभाव की नेहा वक़्त के साथ संसार की चमक दमक और भड़कीले रंगों से दूर सादगी से रहने लगी थी। क्योंकि उसे लगने लगा था कि ये उसके लिए थी ही नहीं। वह अक्सर सोचती थी कि क्या गोरे रंग का होना ही किसी लड़की के दूसरे गुण या अवगुण को ढक देता है? लड़की की शैक्षणिक योग्यता या व्यवसायिक योग्यता के कोई मायने नहीं हैं? क्या सांवले रंग रुप वाले इंसान नहीं होते? उनमें भावनाएं और संवेदनाएं नहीं होतीं? इस तरह के सवालों के जवाब बहुत कोशिश के बाद भी उसे नहीं मिल पा रहे थे। एक लंबे अरसे से उसके विवाह को लेकर भी किसी तरह की कोई बात घर में नहीं हुई थी। वैसे भी रिश्ते के लिए आए हर लड़के और परिवार के सामने साक्षात्कार में, परिणाम जानते हुए भी, किसी प्रतियोगी की तरह खुद को पेश कर वह थक चुकी थी।

अचानक अपने पिता की आवाज सुनकर वह वर्तमान में लौटी तो देखा कि उसके पिता उसके कमरे में खड़े थे। उसके पिता ने कहा, आज शाम को मेरे मित्र का लड़का राजन तुम्हे देखने आएगा। राजन विदेश में एक कंपनी में उच्च पद पर काम करता है। वह संस्कारवान भारतीय लड़की से ही विवाह करना चाहता है। इसके लिए वह भारत आया है। अपने बेटे का विवाह जल्द ही करवाकर मेरे मित्र अपनी इस जिम्मेवारी से मुक्त होना चाहते हैं। इस संदर्भ में मेरे मित्र का कल फोन आया था। मैंने उन्हे तुम्हारे बारे में बताया तो उन्होंने अपने शहर से आज ही शाम को हमारे यहां आने का कहा था। उनका लड़का राजन लगभग तुम्हारी उम्र का ही है। एक बार उनसे मिल लेना। क्या पता कोई बात बन जाए। यह कहकर नेहा के पिता वहां से चले गए।

नेहा इसके लिए अब मानसिक रुप से तैयार नहीं थी। लेकिन पिता के कहने से उसने किसी तरह खुद को इसके लिए मनाया। कुछ समय बाद नेहा को याद आया कि राजन नाम का एक लड़का उसके साथ भी कक्षा दस से कक्षा बारह तक पढ़ता था। गोर वर्ण और आकर्षक व्यक्तित्व वाला बहुमुखी प्रतिभा का मेधावी राजन भीड़ में अलग ही नज़र आ जाता था। उसके साथ पढ़ने वाली कई लड़कियां उस समय और उम्र में भी राजन की ओर आकर्षित रहती थीं। राजन भी उनके साथ शालीनता से हंसी मजाक करने में कोई कसर नहीं छोड़ता था।कक्षा के दो पीरियड्स के बीच के खाली समय वह स्कूल कैन्टीन में साथी लड़कियों के साथ अक्सर बैठा रहता था। जिस तरह राजन अपने गोर वर्ण के कारण स्कूल में अलग नज़र आता था उसी तरह नेहा भी अपने श्याम वर्ण के कारण अलग ही नज़र आती थी। पढ़ाई में दोनों कक्षा में पहले या दूसरे स्थान पर रहते थे। राजन हमेशा उसे समझाते हुए कहता था कि इंसान की पहचान उसके गुणों से होती है, इस नश्वर शरीर के रंग से नहीं। उसके कहने से नेहा भी मान जाती थी। राजन से जुड़ी कई बातें उसे याद आने लगी थीं।

उसे देखने के लिए आने वाला व्यक्ति यदि वही राजन है जो उसके साथ पढ़ता था तो इस कल्पना से एक अनजाना भय उसके जेहन में पसरने लगा था। उसे परिणाम की आशंका ने और भयभीत कर दिया। यदि आने वाला राजन कोई दूसरा व्यक्ति निकला तो उससे मुलाकात का परिणाम सोचकर भी उसके चेहरे पर कई तरह के रंग चढ़ने उतरने लगे थे। वह एक अजीब सी मानसिक उलझन में फंस गई थी। उसकी रंगहीन ज़िंदगी में अब जब रंगों की शायद कोई गुंजाइश नहीं बची, वे उसका कौन सा रंग देख पाएंगे यह उसकी समझ नहीं आ रहा था। वक़्त ने बहुत पहले ही जन्म के साथ ही ज़िंदगी के उसके रंगों का शायद वजूद ही मिटा दिया था।

शाम को राजन और उसके माता-पिता नेहा के घर समय पर आ गए थे। नेहा के माता-पिता उनके साथ ड्राइंग रुम में बातचीत करने में मशगूल हो गए। अपने पिता की आवाज सुनकर जब वह वहां गई तो देखा कि गोर वर्ण का वह व्यक्ति राजन ही था जो उसके साथ पढ़ता था। राजन उसे देखते ही जोर से हंसते हुए बोला, नेहा, यू..... व्हाट ए कोइनसिडेंस ..... और अपने माता-पिता से कहा यही है वह लड़की जिसे अपना जीवन साथी बनाकर अपने को मैं भाग्यशाली समझूंगा। नेहा से भी इस रिश्ते के लिए उसकी राय ले ली जाए।

नेहा के चेहरे पर अरसे बर्फ खुशी देखकर उसके माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू झरने लगे। नेहा ने भी इस रिश्ते के लिए हां कह दी। कुछ दिनों के बाद की तारीख पर उनका विवाह तय हो गया था। अपने शहर जाते समय राजन नेहा को अपने साथ ही विदेश ले जाने के कारण उसे आवश्यक तैयारी करने के लिए भी कह गया।

राजन को अपनी ज़िंदगी में पाकर नेहा ने अतीत की अपनी भावनाओं और विचारों को त्याग दिया। खुशी और रंगों के त्योहार होली पर राजन उसकी रंगहीन जिंदगी के कोरे कैनवास को इंद्रधनुषी रंगों से हमेशा के लिए भरने के लिए आ गया था। नेहा चेहरे की चमक और खुशी उसकी नई जिंदगी में रंगों के प्रवेश को साफ बयाँ कर रही थी। होली के त्योहार पर वातावरण में महुए की गंध की मादकता, पलाश और आम की मंजरियों की महक की तरह उसकी जिंदगी भी खुशियों से महक गई थी।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

छत्रछाया

प्रातः भ्रमण के बाद पार्क में कुछ देर व्यायाम करने के लिए बैठा। व्यायाम के एक चरण में दृष्टि आकाश की ओर उठाई। जिन पेड़ों के तनों के पास बैठकर व्यायाम करता हूँ, उनकी ऊँचाई देखकर आँखें फटी की फटी रह गईं। लगभग 70 से 80 फीट ऊँचे, विशाल पेड़ एवम उनकी घनी छाया। हल्की-सी ठंड और शांत वातावरण, विचार के लिए पोषक बने। सोचा, माता-पिता भी पेड़ की तरह ही होते हैं न! हम उन्हें उतना ही देख-समझ पाते हैं जितना पेड़ के तने को। तना प्रायः हमें ठूँठ-सा ही लगता है। अनुभूत होती इस छाया को समझने के लिए आँखें फैलाकर ऊँचे, बहुत ऊँचे देखना होता है। हमें छत्रछाया देने के लिए निरंतर सूरज की ओर बढ़ते और धूप को ललकारते पत्तों का अखण्ड संघर्ष समझना होता है। दुर्भाग्य यह कि अधिकांश मामलों में छाया समाप्त हो जाने पर ही समझ आता है, माँ-बाप का साया सिर पर होने का महत्व ! ...

अँग्रेज़ी की एक लघुकथा इसी सार्वकालिक सार्वभौम दर्शन का शब्दांकन है। छह वर्ष का लड़का सामान्यत: कहता है, 'माई फादर इज़ ग्रेट।' बारह वर्ष की आयु में आते-आते उसे अपने पिता के स्वभाव में ख़ामियाँ दिखने लगती हैं। उसे लगता है कि उसके पिता का व्यवहार विचित्र है। कभी बेटे की आवश्यकताएँ पूरी करता है, कभी नहीं। किशोर अवस्था में उसे अपने पिता में एक गुस्सैल पुरुष दिखाई देने लगता है। युवा होने पर सोचता है कि मैं अपने बच्चों को दुनिया से अलग, कुछ हटकर-सी परवरिश दूँगा।...फिर उसकी शादी होती है। जीवन को देखने की दृष्टि बदलने लगती है। वह पिता बनता है। पिता होने के बाद अपने पिता का दृष्टिकोण उसे समझ आने लगता है। दस-बारह साल के बच्चे की हर मांग पूरी करते हुए भी कुछ छूट ही जाती हैं। यह विचार भी होता है कि यदि जो मांगा, उपलब्ध करा दिया गया तो बच्चा ज़िद्दी और खर्चीले स्वभाव का हो जायेगा। बढ़ते खर्च के साथ वह विचार करने लगता है कि उसके पिता सीमित कमाई में सारे भाई-बहनों की पढ़ाई का खर्च कैसे उठाते थे! उधर उसका बेटा/बेटी भी उसे लगभग उसी तरह देखते-समझते हैं, जैसे उसने अपने पिता को देखा था। आगे चलकर युवा बेटे से अनेक बार अवांछित टकराव होता है। फिर बेटे की शादी हो जाती है। ...चक्र पूरा होते-होते बचपन का वाक्य, काल के परिवर्तन के साथ,जिह्वा पर लौटता है, वह बुदबुदा उठता है, 'माई फादर वॉज़ ग्रेट।'

अनुभव हुआ, हम इतने बौने हैं कि पेड़ हों या माता-पिता, लंबे समय तक गरदन उठाकर उनकी ऊँचाई निहार भी नहीं सकते, गरदन दुखने लगती है। गरदन दुखना अर्थात अनुभव ग्रहण करना। यह ऊँचाई इतने अधिक अनुभव की मांग करती है कि 'इज़' के 'वॉज़' होने पर ही दिखाई देती है।

...ईश्वर सबके सिर पर यह ऊँचाई और छत्रछाया लम्बे समय तक बनाये रखें।

बोध कथा

भूतिया कुआं

शवपुर गांव में अधिकतर लोग खेती करने वाले ही थे। पूरे गांव में सिर्फ दो ही कुएं थे, जिनसे लोगों को पानी मिलता था। कुछ समय बाद गांव का एक कुआं पूरी तरह सूख गया। अब पूरे गांव के लोग पानी की जरूरत के लिए एक ही कुएं पर निर्भर थे। दूसरे कुएं से पानी भरते-भरते लोगों को लगा कि कुएं में कोई भूत रहता है। जब गांव के किसान कुएं से पानी भरते थे, तो उन्हें अजीब सी आवाजें सुनाई देती थीं। खेती करने वाले पुरुषों की पत्नियां तो डर के मारे कुएं के आसपास भी नहीं आती थीं। धीरे-धीरे पूरे गांव में बात फैल गई कि कुआं भूतिया है। अब रात के समय कोई भी कुएं के पास नहीं जाता था।

इसी बीच गांव का एक बच्चा कहीं खो गया। काफी ढूंढने के बाद भी बच्चा जब नहीं मिला, तो कुछ लोग कुएं के पास बच्चे को देखने के लिए गए। वहां पहुंचे लोगों ने बच्चे को कुएं के अंदर मरा हुआ पाया। अब एक तो कुएं का पानी खराब हो गया और दूसरा बच्चा कैसे मरा इसको लेकर गांव के सभी किसान परेशान हो गए थे।

सबने एक दिन मिलकर नया कुआं खोदने की सोची। कुछ ही दिनों में कुआं सबने खोद लिया और उसमें पानी भी आने लगा। अब पूरे गांव के लोग नए कुएं से ही पानी भरते थे और भूतिया कुएं की तरफ जाना सबने बंद कर दिया था। बड़े लोग तो समझदार थे, इसलिए कुएं के आसपास नहीं जाते थे, लेकिन बच्चे वहां अक्सर खेलने के लिए पहुंच जाते थे।

एक दिन चार-पांच बच्चे भूतिया कुएं के पास खेल रहे थे, तभी एक बच्चा कुएं में गिर गया। उसके चीखने की आवाज सुनकर पूरे गांव वाले दौड़ते हुए भूतिया कुएं के पास पहुंचे। उन्होंने कुएं के अंदर देखा तो बच्चा मरा हुआ दिखा। सबने उस बच्चे के साथ खेल रहे दूसरे बच्चों से पूछा, आखिर क्या हुआ था? बच्चों ने कहा, वो खेलते-खेलते पानी को देखने गया और अचानक कुएं में गिर पड़ा।

इस हादसे के बाद गांव वालों ने तुरंत एक तांत्रिक को जाकर कुएं के पास बुलाया। वहां पहुंचकर तांत्रिक ने बहुत सारे मंत्र पढ़े, जिसे सुनकर भूत सबके सामने आ गया। तांत्रिक ने अपनी विद्या का इस्तेमाल करके उस कुएं को छोड़कर जाने के लिए कहा। भूत ने तांत्रिक की बात को मानने से इनकार कर दिया।

तांत्रिक ने पूछा, तुम क्यों नहीं जाओगे? यहां आकर बच्चे मर रहे हैं, इसलिए तुम्हें जाना ही होगा।

भूत ने जवाब दिया, इस कुएं में सालों से मेरा पूरा खानदान रहता आ रहा है। मैं यहां से बिल्कुल नहीं जाऊंगा। इतना कहकर भूत कुएं के अंदर चला गया। अब तांत्रिक ने गांव के लोगों से कहा, इस कुएं के मुंह को ढक दो। ऐसा करने से किसी तरह के हादसे नहीं होंगे। ये सुनते ही गांव के मुखिया ने तुरंत काम शुरू करवा दिया। दूसरे दिन कुएं के मुंह पर जाली डालकर पूरी तरह से रेत और सीमेंट से पक्का ढक्कन बना दिया गया और उसे ढक दिया गया। अब सारे गांव वाले खुशी-खुशी रहने लगे। उस दिन के बाद से गांव में ऐसी किसी तरह की घटना नहीं हुई और भूतिया कुएं के डर से लोग मुक्त हो गए।

कहानी से सीख :

किसी भी परेशानी में हार नहीं माननी चाहिए। किसी-न-किसी तरीके से उस परेशानी से बाहर निकला जा सकता है।

अध्यात्म

सबको अपने में समाहित कर लेना ही धर्म है

आपके कर्मों से ज्यादा-से-ज्यादा लोगों का भला हो और फिर उसी हिसाब से कर्म करिए। जब बाहरी क्रिया-कलापों की बात आती है, तो उस पल के लिए उचित निर्णय लेना ही धर्म है। कोई यह तय नहीं कर सकता कि क्या सही है और क्या गलत। धर्म की व्याख्या प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने ढंग से करता है। इसलिए इसके रूप को लेकर मतभेद रहते हैं। लेकिन शाश्वत धर्म किसी भी परिभाषा से ऊपर है। यह व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ता है। अपने 'मैं' और तुम्हारे 'तुम' से मुक्त होकर सबको अपने में समाहित कर लेना ही वास्तविक धर्म है।

धर्म क्या है? कृष्ण के जीवन में बहुत लोगों ने उनसे यह प्रश्न पूछा था। जब द्रौपदी का विवाह होने वाला था, तो उन्होंने हर संभव कोशिश की कि द्रौपदी का विवाह पांच पांडवों से हो। उस वक्त द्रौपदी ने उनसे पूछा, 'आपको पता है धर्म क्या है?' एक बार कृष्ण ने भीम से कहा था, 'हस्तिनापुर दुर्योधन के लिए छोड़ दो। चलो हम नया नगर बसाएंगे।' इस पर भीम ने जवाब दिया, 'आप देशद्रोही हैं। मैं दुर्योधन को मार डालना चाहता हूं और आप मुझसे यह कह रहे हैं कि मैं यह राज्य उसके लिए छोड़ कर चला जाऊं । कहीं और जाकर अपना राज्य बसाऊं।' धर्म के बारे में आप क्या जानते हैं? अर्जुन और बहुत से दूसरे लोगों ने भी ऐसे ही सवाल उठाए। लोगों ने कृष्ण से पूछा, 'क्या आपको वास्तव में पता है कि धर्म क्या है?'

कृष्ण ने हर किसी को धर्म के बारे में विस्तार से समझाया। मैं उनके एक-एक उत्तर की बात तो नहीं करूंगा, लेकिन उन्होंने सामान्य तौर पर यह कहा कि, अभी इस पल के कर्म के मामले में धर्म क्या है, यह मैं भी नहीं जानता, क्योंकि कर्म परिस्थितियों पर आधारित होते हैं। हालांकि हम इसके बारे में सही-गलत का फैसला करते हैं, लेकिन बाहर से देखने पर हम थोड़े-बहुत गलत भी हो सकते हैं। लेकिन जब बात अपने स्वधर्म (जीवन में खुद का कर्तव्य) की आती है, यानी मैं स्वयं अपने अंदर कैसे रहूं, तो उसके बारे में मैं पूरी तरह स्पष्ट हूं। किसी बुद्धिमान व्यक्ति के दिमाग में भी इस बात को लेकर शत-प्रतिशत स्पष्टता नहीं होती कि उसे किस तरह से कर्म करना चाहिए। वह हमेशा अपने निर्णय को तौलता है। अगर आप बाकी जीवों के नजरिये से देखने की कोशिश करेंगे तो पाएंगे कि हम जो भी करते हैं, हमारा अस्तित्व, हमारा खान-पान, हमारा जीवन, हमारा सांस लेना सब कुछ किसी-न-किसी तरह से उन जीवों के साथ अन्याय ही है।

इस तरह इस दुनिया में कोई भी कर्म न तो सौ फीसदी सही है और न सौ फीसदी गलत। आपको बस यह देखना है कि आपके कर्मों से ज्यादा-से-ज्यादा लोगों का भला हो और फिर उसी हिसाब से कर्म करिए। जब बाहरी क्रिया-कलापों की बात आती है, तो उस पल के लिए उचित निर्णय लेना ही धर्म है। कोई यह तय नहीं कर सकता कि क्या सही है और क्या गलत। जब कर्म करने की बात आती है तो सौ फीसदी स्पष्टता सिर्फ एक मूर्ख या एक कट्टर इनसान के दिमाग में ही होती है। बाकी सभी लोग हमेशा अपने निर्णय को तौलते हैं, कि क्या सही है और क्या गलत। कोई दूसरा तरीका ही नहीं है। इस सृष्टि की प्रकृति ही ऐसी है।

अब आप किसी की हत्या की बात कर रहे हैं। जरा सोच कर देखिए, जब आप खाते हैं, तो आप किसी की हत्या कर रहे होते हैं, जब आप सांस लेते हैं तो आप किसी की जान ले रहे होते हैं, जब आप चलते हैं तो भी पैरों तले किसी जीव की जान लेते हैं। अगर आप यह सब नहीं करना चाहते तो आपका अपना जीवन खतरे में पड़ जाएगा और तब आप खुद की जान ले रहे होंगे। तो आप किस धर्म का पालन करेंगे? बात बस इतनी है कि आप भीतर से कैसे हैं।

वीर गाथा

नायक प्रेम बहादुर गुरुंग: 'खुखरी' से रोका दुश्मन का वार, 3 पाकिस्तानियों का कर दिया संहार

नायक प्रेम बहादुर गुरुंग का जन्म 22 नवंबर, 1956 को नेपाल के कास्की जिले के सिधानी गांव में हुआ था। कर्ण बहादुर गुरुंग के बेटे प्रेम बहादुर 22 नवंबर, 1976 को भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें गोरखा राइफल्स में शामिल किया गया था।

प्रेम बहादुर सितंबर 1987 में सियाचिन ग्लेशियर क्षेत्र में तैनात थे। वहां उनकी कंपनी ने बिलाफोंडला कॉम्प्लेक्स में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रखी थी। 23-24 सितंबर की रात को पाकिस्तानी फौज ने उनकी पोस्ट पर हमला बोला था। इसका भरपूर जवाब दिया गया और दुश्मन को पीछे हटना पड़ा था।

इसके बाद 24-25 सितंबर की रात को पाकिस्तान ने भारी तोपखाने से गोलाबारी करते हुए पोस्ट को निशाना बनाया। उस दौरान कमांडर घायल हो गए, इसलिए प्रेम बहादुर गुरुंग ने सेक्शन कमांडर का जिम्मा संभाला। मुकाबला आगे बढ़ने के साथ ही सेक्शन का गोला-बारूद खत्म होने लगा, लेकिन प्रेम बहादुर इससे विचलित नहीं हुए। वे गोला-बारूद लेने के लिए भीषण हमले के बीच ही दो बार अपने प्लाटून मुख्यालय की ओर गए। उनके सेक्शन ने दुश्मन के हमले को नाकाम कर दिया।

24 सितंबर को देर रात लगभग 3.25 बजे पाकिस्तान ने एक बार फिर हमला बोला। जब पाकिस्तानी फौजी भारतीय पोस्ट से सिर्फ़ 50 गज की दूरी पर थे तो प्रेम बहादुर अपनी खाई से बाहर निकले और उन पर जोरदार धावा बोला। इससे दुश्मन के फौजियों में अफरा-तफरी मच गई थी।

प्रेम बहादुर ने उन पर ग्रेनेड फेंके और गोलियां चलाईं। अचानक ऐसे जवाबी हमले से कई पाकिस्तानी फौजी वहां से भागने लगे। नायक प्रेम बहादुर ने तुरंत अपनी खुखरी निकाली और तीन पाकिस्तानी फौजियों को वहीं मार गिराया।

अचानक दुश्मन की ओर से एक गोली आई, जो प्रेम बहादुर के सीने में लगी और वे वीरगति को प्राप्त हो गए। नायक प्रेम बहादुर गुरुंग ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपना कर्तव्य निभाया। उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नकली एचपीसीएल तेल मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद/दक्षिण भारत। हैदराबाद पुलिस ने नकली एचपीसीएल तेल मामले में कार्रवाई की है। उसने छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि एचपीसीएल की अधिकृत टीम ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद डीएसपी सुधींद्र के आदेश पर छापेमारी की गई। अफजलगंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक नागेश की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। उसने नकली एचपीसीएल एन्क्लो तेल आदि जब्त कर लिया। वहीं, आरोपी जीएच संस पेट्रो प्रोडक्ट्स का वसीम खान (31) है, जिसे गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में पुलिस ने एफआईआर नं. 0070/2025 के तहत मामला दर्ज किया है। उक्त शख्स पर कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 63, और 318 (4) के तहत आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

महिलाओं को बार-बार खुद को साबित करना होगा: माधुरी दीक्षित

जयपुर/भाषा। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का मानना है कि हिंदी सिनेमा में वेतन समानता अभी भी दिवास्वप्न है, क्योंकि महिलाओं को खुद को बार-बार साबित करना होगा और दर्शकों को सिनेमाघर तक खींचने की अपनी काबिलियत दिखानी पड़ेगी।

'तेजाब', 'हम आपके हैं कौन', 'दिल तो पागल है', 'खलनायक' और 'देवदास' जैसी फिल्मों कर चुकी अभिनेत्री दीक्षित ने शुक्रवार शाम को आईफा 2025 के एक सत्र सिनेमा में महिलाओं का सफर में भाग लिया।

आईफा पुरस्कार का रजत जयंती संस्करण शनिवार और रविवार को होगा।

उनके साथ ऑस्कर विजेता निर्माता गुनीत मोंगा भी शामिल हुईं, जो 2025 के अकादमी पुरस्कार में भाग लेने के बाद अमेरिका से लौटी थीं।

हाल ही में फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं दीक्षित ने कहा, महिलाओं को बार-बार खुद को साबित करना होगा और यह कहना होगा कि हम बराबर हैं और हम दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। आपको हर बार यह साबित करना होगा। और हां, अभी भी असमानता है।'' उन्होंने कहा, यह हर बार सीमा को थोड़ा और आगे बढ़ाने जैसा है, यह छोटे-छोटे कदम भरने जैसा है। हम असमानता को खत्म करने से अभी भी बहुत दूर हैं...हमें इस दिशा में हर दिन काम करना होगा।

मोंगा ने कहा कि लोगों को महिला कलाकारों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''स्पष्ट रूप से वेतन में अंतर है, साफतौर पर यह है...लेकिन मुझे लगता है कि मैं वास्तव में चाहती हूं कि पुरुष अभिनेता इस

सवाल का जवाब दें।'' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सवालों का जवाब देने की जिम्मेदारी महिलाओं पर डालना बहुत अजीब बात है, क्योंकि हम ही वे लोग हैं जो इसका शिकार होते हैं।

सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म के तौर पर स्त्री-2 का उदाहरण देते हुए मोंगा ने कहा कि महिलाओं के लिए अधिक अवसर सृजित किए जाने चाहिए।

दीक्षित ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में जो भी फिल्में कीं, उनमें महिला किरदार बहुत सशक्त थे। अभिनेत्री ने कहा कि मृत्युदंड उन फिल्मों में से एक है, जिसे उन्होंने विशेष तौर पर पसंद किया, क्योंकि इसमें उन्होंने एक सशक्त भूमिका निभाई थी।

दीक्षित ने यह भी कहा कि उनके करियर के शुरुआती दिनों में फिल्म के सेट पर बतौर महिला सिर्फ अभिनेत्री और हेयरड्रेसर हुआ करती थीं। उन्होंने कहा कि तब गिनी-चुनी महिला निर्देशक होती थीं और वह उस समय केवल सई परांजपे को ही जानती थीं। उन्होंने कहा, अब जब मैं (अमेरिका से) वापस आई और सेट पर गई तो हर विभाग में महिलाएं थीं - ए.डी., डी.ओ.पी., लेखक और पहले से कहीं अधिक निर्देशक। महिलाएं हर जगह हैं, जो मुझे लगता है कि बहुत खुशी की बात है और यह एक बड़ा बदलाव है।

भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सुरक्षा में एक महिला सुरक्षा दल तैनात।

तालिबान ने अफगान महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा पर जोर दिया

काबुल/एपी

तालिबान ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक संदेश जारी कर कहा है कि अफगानिस्तान में महिलाएं सुरक्षा के साथ रह रहीं हैं और उनके अधिकार सुरक्षित हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने यहां महिलाओं के लिये रोजगार एवं शिक्षा पर लगाये गये प्रतिबंधों की निंदा की है।

अफगानिस्तान पर 2021 में तालिबान के कब्ज़े के बाद से, उन्होंने महिलाओं और लड़कियों के छठी कक्षा से आगे की पढाई करने, नौकरी करने और सार्वजनिक स्थानों पर जाने पर रोक लगा दी थी। पिछले अगस्त में, गुण एवं दोष मंत्रालय ने ऐसे कानून बनाये, जो घर के बाहर महिलाओं की आवाज और उनके खुले चेहरे पर प्रतिबंध लगाता है।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक बयान जारी किया, जिसमें विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उल्लेख नहीं किया गया, जो आठ मार्च को मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की गरिमा, सम्मान और कानूनी अधिकार इस्लामिक अमीरात के लिए प्राथमिकता हैं, तालिबान द्वारा अपनी सरकार का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द। उन्होंने कहा कि अफगान महिलाएं शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से सुरक्षित हैं।

मुजाहिद ने कहा, ''इस्लामिक कानून एवं अफगान समाज की संस्कृति और परंपराओं के अनुसार, अफगान महिलाओं के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखा गया है। हालांकि, यह नहीं भूलना चाहिए कि अफगान महिलाओं के अधिकारों पर इस्लामी और अफगान समाज के भीतर चर्चा की जा रही है, जो पश्चिमी समाजों और उनकी संस्कृति से स्पष्ट रूप से भिन्न है।'' इसके साथ ही शनिवार को, संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान से प्रतिबंध हटाने के लिए अपने आह्वान को दोहराया।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन की प्रमुख रोजा ओटुनबायेवा ने कहा, ''सार्वजनिक जीवन से महिलाओं और लड़कियों को हटाने की बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हम उनके लचीलापन और नेतृत्व क्षमता में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि वे अफगानिस्तान के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।''

महिला दिवस पर सुगमता की पैरोकार अंजलि अग्रवाल ने प्रधानमंत्री का 'एक्स' हैंडल संभला, समावेशन पर जोर

नई दिल्ली/भाषा। 'सामर्थ्यम सेंटर फॉर यूनिवर्सल एक्सेसिबिलिटी' नामक एक नागरिक संस्था की संस्थापक अंजलि अग्रवाल ने महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया हैंडल को संभाला और सुगम भारत पहल के तहत अधिक सुलभ एवं समावेशी भारत की दिशा में मजबूत प्रयास का आह्वान किया।

सार्वभौमिक सुगमता और समावेशी गतिशीलता की बहुत बड़ी पैरोकार अग्रवाल ने यह सुनिश्चित करने के लिए बाधाओं को दूर करने और राष्ट्र की प्रतिबद्धता को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया कि हर व्यक्ति विशेषकर महिलाएं एवं विकलांग व्यक्ति, सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'अकाउंट' से पोस्ट किया, ''आइए हम यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक महिला, प्रत्येक व्यक्ति सम्मान और स्वतंत्रता के साथ अपना जीवन जी सके। आइए हम हाल में प्राप्त उपलब्धियों को आगे बढ़ाएं और दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में सुधार लाएं।''इस क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से काम करने वालीं अग्रवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार सुगमता और गतिशीलता को शासन में उत्तरोत्तर जगह दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में विद्यालयों को सुलभ बनाने में उनके प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने भारत में कई स्थलों पर सुगमता ऑडिट किया है, जिसमें तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के तहत तीर्थ स्थल भी शामिल हैं और वह देश भर में तीर्थ स्थलों और सार्वजनिक परिवहन केंद्रों के विकास पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि विकलांग व्यक्तियों के लिए 'वाश' (जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य) सुविधाएं प्रदान करने और गतिशीलता सहायता उपयोगकर्ताओं पर मानवशास्त्रीय अध्ययन पर जो उन्होंने ध्यान दिया है वह नीतियों को आकार देने में सहायक रहा है। उन्होंने विकलांग व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने में स्वच्छ भारत के प्रभाव को भी स्वीकार किया। अग्रवाल के अलावा उद्यमी अजयता शाह, किसान-उद्यमी अनीता देवी, शतरंज ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू, परमाणु वैज्ञानिक एलिना मिश्रा और अंतरिक्ष वैज्ञानिक शिल्पी सोनी ने प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया मंचों को संभाला।

प्रधानमंत्री मोदी ने महिला दिवस पर अपने संदेश में महिला सशक्तीकरण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है।

अस्सी के दशक के सिकंदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित दमदार कहानी है 'द पैराडाइज' : श्रीकांत ओडेला

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक श्रीकांत ओडेला का कहना है कि उनकी फिल्म 'द पैराडाइज' अस्सी के दशक के सिकंदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दमदार कहानी है, जो समाज में फैले भेदभाव को गहराई से उजागर करती है। श्रीकांत ओडेला की अगली फिल्म 'द पैराडाइज' को लेकर जबरदस्त एक्साइटमेंट है। हाल ही में मेकर्स ने नेचुरल स्टार नानी का पहला लुक रिलीज़ किया, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। इसी बीच श्रीकांत ओडेला ने फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि 'द पैराडाइज' अस्सी के दशक के सिकंदराबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दमदार कहानी है, जो समाज में फैले भेदभाव को गहराई से उजागर करती है। श्रीकांत ने कहा कि 'द पैराडाइज' सरकारी सिस्टम, शोषण और अत्याचार की कड़वी सच्चाई को बिना किसी लाग-लपेट के सामने लाएगी,कुछ ऐसा,जो भारतीय सिनेमा में कम ही देखने को मिलता है।

इस बार हम समाज की सच्चाइयों को धुंधला करने या छिपाने वाले नहीं हैं। एक फिल्ममेकर के तौर पर मेरी कोशिश है कि इसे सबसे असली रूप में दिखाऊं। 'द पैराडाइज' उन फिल्मों में से होगी जो बिना किसी झिझक अपनी बात रखेगी। यह पूरी तरह ओरिजिनल, सच्चाई से भरी हुई और दमदार होगी, जिसमें इतनी ताकत होगी कि दुनिया भर के दर्शकों तक अपनी बात पहुंचा सके।

श्रीकांत ओडेला ने कहा, यदि मेरी एक हजार कोशिशों से दुनिया के किसी कोने में बैठा एक भी इंसान मेरी फिल्म देखे, तो मैं वो सारी कोशिशें करने को तैयार हूं, क्योंकि मेरी 'द पैराडाइज' एक ग्लोबल ऑडियंस के लायक है। फिल्म 'द पैराडाइज' आठ भाषाओं हिंदी, तेलुगु, तमिल, अंग्रेजी, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होने वाली है। कन्नड़, मलयालम और बंगाली वर्जन की पहली झलक भी जल्द रिलीज़ होगी। यह फिल्म 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

इंटरनेट पर्सनालिटी उर्फी जावेद शनिवार को मुंबई के हवाई अड्डे पर पहुँची।

'जटाधारा' से सोनाक्षी सिन्हा का फर्स्ट लुक आउट

मुंबई/एजेन्सी

महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को 'जटाधारा' के निर्माताओं ने अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। तेलुगू डेब्यू फिल्म से उनका कमाल का लुक सामने आया है। सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का कोलाब पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में अभिनेत्री एक आकर्षक और गंभीर अंदाज में नजर आ रही हैं। पोस्टर में अभिनेत्री का मेकअप काफी बोल्ड है। आंखों में काजल, लाल बिंदी और माथे पर लगा तिलक इंटेंस लुक दे रहा है। सोनाक्षी का पूरा चेहरा नहीं दिख रहा है।

कोलाब पोस्ट में निर्माताओं ने कैप्शन दिया, इस महिला दिवस पर 'जटाधारा' में शक्ति और उसकी किरण जगमगा रही है! 'जटाधारा' में सुधीर बाबू भी हैं। फिल्म में सोनाक्षी को एक सशक्त और अलग तरह की भूमिका के लिए चुना गया है। अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' के बारे में बता दें, फिल्म का मुहूर्त पूजन हाल ही में हैदराबाद के एक मंदिर में किया गया। धूमधाम से आयोजित समारोह में मुख्य अतिथियों के तौर पर निर्देशक हरीश शंकर, 'पुष्पा 2: द रूल' के निर्माता रवि शंकर समेत फिल्म जगत के अन्य सितारे शामिल हुए।

मुहूर्त पूजन में निर्देशक वेंकी अटलूरी, निर्देशक मोहना इंद्रगांती, शिल्पा शिरोधाकर समेत अन्य ने शिरकत की। मुहूर्त समारोह में जी स्टूडियो के प्रस्तुतकर्ता उमेश के.आर. बंसल और प्रेरणा वी. अरोड़ा भी शामिल हुईं। 'जटाधारा' एक्शन और सस्पेंस से भरपूर मनोरंजक फिल्म है, जिसमें अभिनेता

सुधीर बाबू मुख्य भूमिका में हैं। 'जटाधारा' को निर्माताओं ने मनोरंजक मोड़ दिया है। फिल्म को लेकर सुधीर बाबू ने कहा, मैं इस नई यात्रा के लिए रोमांचित हूं। 'जटाधारा' का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। मैं इस किरदार को निभाने के लिए उत्साहित हूं। स्क्रिप्ट में हमारी समृद्ध पौराणिक मान्यताओं को वैज्ञानिक तथ्यों के साथ सहजता से जोड़ा गया है, जो दर्शकों के लिए एक बेहतरीन और नया अनुभव लेकर आएगा और मेरा मानना है कि यह दर्शकों पर एक खास प्रभाव छोड़ेगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा के पास 'जटाधारा' के अलावा 'तू है मेरी किरण' भी है, जिसमें वह पति-अभिनेता जहीर इकबाल के साथ नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा 'निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस' में भी दिखेंगी।

अमिताभ बच्चन ने फिल्म 'बी हैप्पी' के लिए अभिषेक की तारीफ की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की आने वाली फिल्म बी हैप्पी के लिये तारीफ की। प्राइम वीडियो की ओरिजिनल फिल्म बी हैप्पी का ट्रेलर हाल ही में रिलीज़ हुआ है, जिसने दर्शकों के दिल को छू लिया है। इस फिल्म की कहानी शिव (अभिषेक बच्चन) की है, जो एक सिंगल फादर है और अपनी बेटी धारा (इनायत वर्मा) के साथ ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव से जूझ रहा है। अब इस फिल्म की तारीफ करने वालो में अमिताभ बच्चन का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने अभिषेक की परफॉर्मेंस पर गर्व जताते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया लिखा, अभिषेक, एक पिता का गर्व, कितनी आसानी से एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल जाते हो। बधाई हो बधाई, स्नेह ।एक दूसरी पोस्ट में, अमिताभ

बच्चन ने फिल्म की कहानी और अभिषेक की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए लिखा, बेहद खूबसूरत कहानी और अभिषेक, तुमने जिस तरह एक फिल्म से दूसरी फिल्म तक अपने किरदार को परिभाषित किया है, वो कमाल है। ढेर सारा आशीर्वाद और प्यार।

बी हैप्पी को रेमो डिसूजा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले लिजेल रेमो डिसूजा ने प्रोड्यूस किया है और इसे रेमो डिसूजा ने निर्देशित किया है। यह दिल छू लेने वाली डांस ड्रामा फिल्म है, जिसमें अभिषेक बच्चन के साथ नोरा फतेही, नासर, जॉनी लीवर और हरलीन सेठी जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। बी हैप्पी भारत समेत 240 से ज्यादा देशों और टेरिटरीज में 14 मार्च को प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में भी डब होकर रिलीज होगी।

संदीपा धर ने महिला दिवस पर दिया दमदार संदेश

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संदीपा धर ने महिला दिवस के अवसर पर दमदार संदेश दिया है। इस महिला दिवस पर,संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर एक जोरदार और सोचने पर मजबूर करने वाला संदेश साझा किया, जो कई लोगों को गहराई से प्रभावित करेगा। अपने पोस्ट में, उन्होंने उन गहरी जड़ों वाली लैंगिक धारणाओं पर सवाल उठाया, जो अब भी महिलाओं की महत्वाकांक्षा और नेतृत्व को सीमित नजरिए से देखती हैं।

संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आपकी महत्वाकांक्षा 'बहुत ज्यादा' नहीं ,बल्कि समाज की कल्पना बहुत छोटी है।पिछले हफ्ते, एक पत्रकार ने मुझसे पूछा कि मैं 'काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन' कैसे बनाती हूं। मैंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'क्या आप यह सवाल पुरुष अभिनेताओं से भी पूछते हैं?' उसकी असहज चुप्पी और 'नहीं' में दिया गया जवाब अपने आप में सब कुछ कह गया। मुझे यह बेहद अजीब लगता है कि पुरुषों को ,जिन्हें रिसर्च के अनुसार मल्टीटास्किंग में कमज़ोर माना जाता है।कभी यह साबित नहीं करना पड़ता कि वे अपनी जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को कैसे संभालते हैं। दूसरी ओर, महिलाओं से हमेशा यह उम्मीद की जाती है कि वे अपने सपनों और ज़िंदगी का हिसाब दें। यही कारण है कि जब मैंने 'मलिका' का किरदार निभाया, तो उसकी यात्रा मेरे दिल के बहुत करीब रही।

संदीपा धर ने कहा,महिला दिवस के इस मौके पर, मैं हर उस औरत का जश्न मना रही हूं जिसे 'ज़िद्दी' कहा गया क्योंकि उसने अपने लिए स्टैंड लिया, 'बॉसी' कहा गया क्योंकि उसने नेतृत्व किया, और 'ड्रामेटिक' कहा गया क्योंकि उसने अपनी ज़रूरतें खुलकर रखीं। मलिका ने मुझे सिखाया कि हमारी जटिलता हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी ताकत है। जब हम सम्मान मांगते हैं, तो हम 'बहुत ज्यादा भावुक' नहीं होते, और जब हम अपने सपनों को जीते हैं, तो हम 'बहुत महत्वाकांक्षी' नहीं होते।

इसलिए, अपनी पहचान को गर्व से अपनाइए। जो दुनिया आज आपके सपनों का मज़ाक उड़ा रही है, वही कल आपको धन्यवाद देगी क्योंकि आपने उसकी सीमाओं को तोड़ा।और उन लोगों के लिए जो पूछते हैं 'लेकिन पुरुषों का क्या?' जब महिलाएं अपनी बात रखती हैं। नारीवाद किसी को छोटा करने के लिए नहीं है।

यह उन परंपराओं को तोड़ने के लिए है, जो पुरुषों को अपनी भावनाएं छुपाने के लिए मजबूर करती हैं और महिलाओं को ताकत दिखाने पर सज़ा देती हैं। नारीवाद पुरुषों को भी पितृसत्ता से मुक्त करता है, जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है।जिस महिला की महत्वाकांक्षा आपको प्रेरित करती है, उसे टैग करें। आइए, एक-दूसरे को आगे बढ़ने में मदद करें!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 09-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

टुमकूर की ओर पदयात्रा करते हुए शनिवार को हनुमंतनगर के मल्लन्ना पीयू कॉलेज में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य को जीवन की वास्तविकताओं को समझने का व्यवस्थित प्रयत्न करना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ 'मातृछाया' ने मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्कीपेट स्थित आइसैक न्यूटन इंग्लिश हाई स्कूल में 'मातृछाया' जैन महिला संगठन की सदस्याओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 250 छात्राओं ने भाग लिया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि किसी भी समाज और देश की प्रगति महिलाओं की शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक अधिकारों पर निर्भर करती है। जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर होती है, तो वह केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का उत्थान करती है।

सचिव रेशमा बडोला ने 'स्वस्थ हैं तो जीवन मस्त है' और 'मिठास है तो जीवन का विकास है' विषय पर अपने वक्तव्य में छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि हम स्वस्थ हैं, तो जीवन के हर क्षण का आनंद ले सकते हैं। जीवन में मिठास का अर्थ केवल मीठे खाद्य पदार्थों से नहीं है, बल्कि हमारे संबंधों, शब्दों और व्यवहार में मधुरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। योग प्रशिक्षिका चंचल भंडारी ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने में सहायक होती है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि महिलाओं के बिना समाज अधूरा है। एक शिक्षित और सशक्त महिला ही एक मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र की नींव रख सकती है। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने कहा कि आज महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और प्रतिभा को साबित कर रही हैं। वे विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन, कला, व्यवसाय और सामाजिक कार्यों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। संगठन द्वारा छात्राओं को मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में मीना सोनीगरा, पुष्पा सोनीगरा, त्रिशला दांतेवाड़िया, निर्मला दांतेवाड़िया, सोनाली ललवानी, हेमा बंदामुथा, पिंकी जैन आदि सदस्याएं उपस्थित थीं।

जाति, भाषा और प्रांतवाद हथियार हैं राजनीति के : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। टुमकूर की ओर पदयात्रा करते हुए शनिवार को हनुमंतनगर के मल्लन्ना पीयू कॉलेज में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मनुष्य को जीवन की वास्तविकताओं को समझने का व्यवस्थित प्रयत्न करना चाहिए। विवादास्पद बातों से अप्रभावित रहते हुए प्रगति का पथ प्रशस्त करना चाहिए। तुच्छ और निर्माल्य बातों को महत्व देकर हम अपना, परिवार का या समाज का भला नहीं कर सकते। इसके लिए अच्छे और बुद्धिमान लोगों को संगठित होकर समाज का सही मार्गदर्शन करना चाहिए। जब राजनीतिक परिभाषाएं बदल जाती हैं तो मानवता कलंकित हुए बिना नहीं रहती। इसके लिए पिछले दो सौ वर्षों का विश्वभर का जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायवाद का दुर्भाग्यपूर्ण इतिहास पढ़कर उससे सबक सीखने की आवश्यकता है। यह इतिहास बताता है कि मनुष्य की मूर्खताओं ने समग्र मानवजाति का कितना भारी नुकसान किया है। कमोबेश आज भी जगह-जगह विवाद जारी हैं और सुख-शांति से जीने की संभावनाएं क्षीण हैं।

आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंच पर या मीडिया में राजनीतिक बातें करना अलग होता हैं और जीवन व्यवहार में व्यक्ति तथा समाज की वास्तविक परिस्थितियां उनसे भिन्न होती हैं। राजनीतिक वादे और इरादे अक्सर सामान्य जीवन में सरलता से सार्थक नहीं होते। जनसामान्य में इस भेद और भिन्नता को समझने की प्रज्ञा, परिपक्वता या प्रतिभा भी नहीं होती। वह आसानी से झांसे में आ जाता है।

इस प्रकार राजनेता सफल होते हैं। जो बातें जनसामान्य को प्रभावित नहीं करतीं, वे कभी राजनीतिक सफलता नहीं दिला पातीं। अपने समर्थक बढ़ाना और अपने पक्ष को मज़बूत करना ही राजनीति की सफलता का बिंदु है, इसलिए मनुष्य के सामान्य जीवन व्यवहार में सुख-शांति और उन्नति के लिए जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद आदि का कोई औचित्य नहीं हैं। ये सब लोगों को बांटने और अपनी राजनीति को सफल करने के हथियार मात्र हैं। गणि पद्मविमलसागरजी ने भी सभी को प्रेरणाएं दी।

तीर्थ यात्रा रवानगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरू के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में सुमतिनाथ नवयुवक मंडल द्वारा फागण फेरी एवं कुलपाकजी अंतरिक्ष तीर्थ आदि की यात्रा के लिए करीब 300 यात्रियों का दल रवाना हुआ। इस मौके पर मुख्य लाभार्थी पारसमल रमेशकुमार जीतेन्द्रकुमार परिवार सहित सुमतिनाथ संघ के अध्यक्ष भेरूमल राठौड़, सचिव कांतिलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पारसमल संघवी, सुमतिनाथ जैन नवयुवक मंडल के अध्यक्ष जयकुमार सालेचा, उपाध्यक्ष विनोद ओसवाल, सचिव ललित राठौड, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्रीमाल, दीपक खिवेंसरा आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जेबीएन डिजिटल रेफरल ग्रुप मीट ने आयोजित की वर्चुअल बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ, साउथ चैप्टर और जीतो नोएडा चैप्टर द्वारा आयोजित डिजिटल रेफरल ग्रुप इंटरचैप्टर वर्चुअल मीट' में लगभग 40 सदस्यों ने भाग लिया। प्रत्येक सदस्य ने 30 सेकंड का व्यावसायिक परिचय दिया। इसके बाद प्रतिभागियों को पांच सदस्यों के साथ ब्रेकआउट रूम में विभाजित किया गया, ताकि वे व्यावसायिक अवसरों और संबंधों पर विस्तार से चर्चा कर सकें। बैठक में जेबीएन नार्थ संयोजक मदन जैन, जेबीएन साउथ संयोजक विजय मेहता ने कहा कि हम और अधिक इस तरह के सत्र आयोजित करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिससे हमारे सदस्यों को विकास और सहयोग के मूल्यवान अवसर प्रदान किए जा सकें। यह पहल जीतो की व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने और अपने सदस्यों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरु की गई।

महिला दिवस पर आयोजित हुआ प्रेरणा सम्मान कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी के सम्मान में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित नारीत्व का उत्सव-स्वरधारा के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा शुक्रवार को प्रेरणा सम्मान एवं कवि सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में किया गया। मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम की प्रथम चरण में हिंदी एवं उर्दू के विविध विषयों पर कविता, गीत गजल प्रस्तुत करने वाली तथा कई सम्मान प्राप्त कर चुकीं साहित्यकार विद्या कृष्णा को प्रेरणा सम्मान' प्रदान किया गया। विद्या कृष्णा का परिचय प्रचार प्रसार मंत्री अनिता जीरावला ने तथा प्रेरणा सम्मान पत्र का वाचन मंत्री दीपिका गोखरू ने किया। सभी सदस्याओं ने विद्या कृष्णा का सम्मान किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें चेन्नई के कवि मिट्ठू मिठास, मध्यप्रदेश से हास्य कवि पंकज जोशी, गुजरात की कवयित्री मोनिका हठिला, चेन्नई की दिव्या द्विवेदी तथा बेंगलूरु की स्वीटी सिंघल ने अपनी अपनी काव्य प्रस्तुति दी।

सभी रचनाकारों का परिचय उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया ने दिया। प्रेरणा सम्मान' से सम्मानित विद्या कृष्णा ने परिवार में पिता के महत्व पर गजल प्रस्तुत की। उन्होंने नारी एवं होली के त्यौहार पर काव्य पाठ किया। कवि सम्मेलन के मंच का संचालन मिट्ठू मिठास ने किया। कार्यक्रम में एबीटीएमएम की पूर्व महामंत्री वीणा बैद, कर्नाटक प्रभारी लता जैन, मधु कटारिया की उपस्थिति रही, सभी ने अपने विचार व्यक्त किए।

वीणा बैद ने भी काव्य प्रस्तुति दी। सभी कवि एवं कवयित्रियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सभी प्रायोजकों का महिला मंडल की ओर से सम्मान किया गया। मंच का संचालन उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया ने किया। प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की संयोजिका अनीता जीरावला एवं हंसा दुगड़ ने व्यवस्थाएं संभाली। कार्यक्रम में मंडल व संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

शंकरपुरम के केसरिया आदिनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का आगाज आज से

- आज शुभ मुहूर्त में होगा संतों, प्रभु प्रतिमाओं का मंगल प्रवेश, होंगे विभिन्न उद्घाटन
- 15 मार्च को दीक्षा कल्याणक का वरघोड़ा व 16 को होगी प्राण प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंकरपुरम स्थित केसरिया आदिनाथ जिन मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का 9 दिवसीय महोत्सव रविवार से आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी व रत्नसंयमसूरीश्वरजी की निश्रा में प्रारंभ होगा। पूरे शंकरपुरम व आसपास के क्षेत्र में विशेष उत्साह छाया हुआ है। रविवार को सुबह 8.45 बजे से प्रतिष्ठित होने जा रही भगवान, देवी, देवताओं की प्रतिमा का संतों के साथ ही मंदिर में मंगल प्रवेश होगा। प्रवेश के पश्चात संतों के सान्निध्य में लाभार्थी परिवार की ओर से पुनमिया भवन, भरत चक्रवर्ती भोजन मंडप व अयोध्या नगरी का उद्घाटन किया जाएगा। 10 मार्च को मंदिर में विभिन्न पूजा अनुष्ठान व विधि विधान शुरू होंगे। 11 मार्च से च्यवन कल्याणक विधान, अयोध्या नगरी सभागार में विभिन्न स्टेज कार्यक्रम, 12 मार्च को जन्म कल्याणक की उजवणी, 18 अभिषेक व अन्य कार्यक्रम,

13 मार्च को प्रभु का पाठशाला गमन आदि स्टेज कार्यक्रम, 14 मार्च को प्रतिष्ठा संबंधी विभिन्न मुख्य चढ़ावे, प्रभु का मायरा, विवाह उत्सव, राज्याभिषेक व प्रभु से दीक्षा निवेदन कार्यक्रम किया जाएगा।

प्रतिष्ठा महोत्सव में 15 मार्च को दीक्षा कल्याणक का विशेष वरघोड़ा निकाला जाएगा। अयोध्या नगरी में दीक्षा कल्याणक विधान, मध्यरात्रि में अधिवासना अंजन आदि विधान होंगे। 16 मार्च को मुख्य मंदिर में प्रभु मंदिर व आदिनाथ भगवान की प्राचीन प्रतिमा की विधि विधान से प्रतिष्ठा होगी। महोत्सव के आखिरी दिन 1% मार्च को प्रतिष्ठित मंदिर का द्वारोद्घाटन होगा। प्रतिष्ठा के मौके पर तीनों समय की नवकारशी का आयोजन किया गया है तथा सभी दिन मंदिर में विशेष सजावट की जाएगी।

इसके अलावा शाम को देश भर के विभिन्न गायक कलाकारों द्वारा प्रभु की भक्ति की जाएगी। आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गठित विभिन्न कमेटियां अपनी अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में जुटी हुई हैं।

महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए दानदाता पत्र वितरण शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समस्त जैन समाज के सहयोग से जैन युवा संगठन प्रतिवर्ष भगवान महावीर स्वामी जन्मकल्याणक कार्यक्रम मनाता आ रहा है। उसी श्रृंखला में आगामी 10 अप्रैल को प्रभु महावीर का 2624वां जन्म कल्याणक महोत्सव फ्रीडम पार्क में मनाया जाएगा। अध्यक्ष महावीर मुणोत ने बताया कि इस बार जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 'जैन ज्ञान निधि' नामक 3500 स्मृति चिन्ह बनवाए गए हैं। स्मृति चिन्ह चेयरमैन अभिषेक बोहरा एवं सह चेयरमैन आशीष गुगलिया, रिषभ श्रीश्रीमाल ने बताया कि यह स्मृति चिन्ह पुस्तक जैन ज्ञान निधि संगठन की तरफ से सृजित की गई है जिसमें खेल खेल में सीखने लायक़ जैन (जिन) धर्म की जानकारी एवं अन्य ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई है। दानदाता पत्र वितरण समिति चेयरमैन मनीष चावत ने बताया कि दानदाता पत्र वितरण कार्य शुरू हो चुका है। संगठन के मंत्री जैन नीरज कटारिया ने बताया कि सभी 18 समिति के सदस्य अपनी अपनी व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के भारतीय जैन संघटना के अध्यक्ष राजन बाघमार के नेतृत्व में पूर्व अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़, उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा, नेमीचंद बड़ोला, मुख्य सचिव दीपक बोहरा, सचिव सुनील पटवा, नवरतनमल पितलिया, सदस्य राजेश आच्छा, प्रकाश गाँधी ने स्थानकवासी जैन संघ भवन में विराजित श्री पवित्रमुनिजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। राज्य सचिव प्रकाश गुलेच्छा ने गत वर्षों में बीजेएस की ओर से शिक्षा, जल संरक्षण, बालिका सशक्तिकरण व समाजसेवा के कार्यों की जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गीत

जो उतरे न रंग, वो ही डालना

चढ़कर जो उतरे न , तुम रंग वो ही डालना
वैरागी मन है मेरा , प्यार से सँभालना।

निर्मोही सपनों का क्या वो रोज़ आएंगे
थोड़ा सुख देंगे और ज्यादा तड़पाएंगे
मन की बातें किसी के आगे मत निकालना
वैरागी मन है मेरा..

सखियाँ नित पूछा करेंगी हृदय में कौन हैं
चहक रही हो फिर भी ये आँखें क्यों मौन हैं
सबकी नज़रों से बचाकर मुझे तुम पालना
वैरागी मन है मेरा

फिर मौसम मदमस्त हुआ फागुनी बयार है
जीत छिपी हो किसी की मीत ये वो हार है
मिलने को ग़र वक़्त कहे तो कभी न टालना
वैरागी मन है मेरा..

धूप में निकला न करो देहरी को लाँघकर
रख लेगा प्रेमी कोई छंदों में बाँधकर
भाने लगेगा तुम्हें भी चंदन का पालना
वैरागी मन है मेरा

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

सिद्दरामय्या ने शबाना आजमी को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार के लिए बधाई दीं

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को अभिनेत्री शबाना आजमी को 16वें बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर आजमी की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय सिनेमा की महान अभिनेत्री और

बहुभाषी कलाकार बताया। उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा की महान अभिनेत्री और बहुभाषी कलाकार शबाना आजमी को बेंगलूरु में आयोजित 16वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए चुने जाने पर बधाई।

सिद्दरामय्या ने वर्ष 1977 में आई कन्नड़ फिल्म कन्नेश्वर रामा' के जरिए उनके 'सैंडलवुड' (कन्नड़ सिनेमा) में पदार्पण को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कन्नड़ फिल्म प्रेमियों का दिल जीत लिया था। सिद्दरामय्या ने कहा, शबाना आजमी, जिन्होंने 70 के दशक में कन्नेश्वर रामा फिल्म से सैंडलवुड में पदार्पण किया और कन्नड़ सिनेमा प्रेमियों का दिल जीता, दक्षिण भारतीय फिल्मों के साथ-साथ हिंदी फिल्मों में भी अभिनय कर घर-घर में अपनी पहचान बनाई।

होली चातुर्मास हेतु साध्वीश्री संयमलता ने किया गांधीनगर तेरापंथ भवन में प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री संयमलताजी ने यशवंतपुर से विहार कर शनिवार को तेरापंथ भवन गांधीनगर में प्रवेश किया। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने साध्वीश्री का स्वागत किया। इस मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र धर्मसंघ का श्रद्धा का केंद्र है। साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने अक्षय तृतीया के मौके पर वर्षीतप करने वाले तपस्वियों के अनुमोदनार्थ 900 तेले के तप द्वारा अनुमोदना में सहभागी बनने हेतु आह्वान किया। इस अवसर पर सभा के मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल, महावीर गन्ना, कमलेश झाबक, कमलेश चोरड़िया, राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, चंद्रेश मांडोत आदि उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि साध्वीश्री के सान्निध्य में रविवार को प्रातः 9.15 बजे शासन माता साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी की अभ्यर्थना में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कई सारे प्लेटफॉर्म फिल्म उद्योग के लिए वरदान और अभिशाप दोनों हैः शिल्पा शेट्टी

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का मानना है कि मौजूदा दौर जहां कलाकारों के लिए कई प्लेटफॉर्म और विकल्प मौजूद हैं यह फिल्म उद्योग के लिए वरदान और अभिशाप दोनों है।

शिल्पा शेट्टी का कहना है कि अब अभिनय के क्षेत्र में विविधता बढ़ गई है जिससे कलाकारों को अपनी भूमिकाओं को लेकर अधिक रणनीतिक निर्णय लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम सिनेमा के लिए एक कठिन समय का सामना कर रहे हैं। आज फिल्में महिलाओं द्वारा निर्देशित हों या पुरुषों द्वारा दर्शकों का ध्यान खींचने में कठिनाई महसूस कर रही हैं। अब दर्शक केवल बेहतरीन कंटेंट की तलाश में हैं। उनकी पसंद बदल गई है। बहुत सारे प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं जिससे दर्शकों के पास ढेर सारे विकल्प हैं।''

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com